बजट भाषण 2021- 22

परिषद् के गणमान्य सदस्य,

वित्तीय वर्ष 2021-22 के लिए नई दिल्ली नगरपालिका परिषद् का बजट प्रस्तुत करना मेरा विशेष अधिकार है।

वित्तीय वर्ष 2020-21 वैश्विक कोविड-19 महामारी के कारण एक पूर्ण राष्ट्रीय लॉकडाउन के साथ एक अभूतपूर्व तरीके से शुरू हुआ, जो आने वाले महीनों में केवल चरण-वार अनलॉकिंग प्रक्रिया के बाद तेजी से आगे बढ़ा। इस अवस्था में भी स्थिति सामान्य से बहुत दूर है। कोविड-19 महामारी ने भारत सहित दुनियाभर में मानव जीवन और आर्थिक उथल-पुथल का नुकसान किया है इसके परिणामों का स्थानीय स्व सरकारों/नगरपालिकाओं सहित सभी सरकारों द्वारा सामना किया गया है जिन्हें विकसित करके और कुछ समय के लिए शमन उपायों का अविष्कार करके जवाब देना था, जिसका अतीत में कभी अनुमान नहीं लगाया गया था।

नई दिल्ली नगरपालिका परिषद्, राष्ट्रीय राजधानी के लिए नगरपालिका सेवाओं को सुनिश्चित करने की अपनी सर्वोच्च जिम्मेदारी के साथ, अपने नागरिकों द्वारा पहले से ही सामना की जा रही कठिनाइयों को दूर करने के लिए **निर्बाध तरीके से** अपनी सेवाओं को जारी रखने के मूल उद्देश्यों के साथ चुनौती के लिए तैयार है। यह लॉकडाउन मानदंडों का पालन करने की अतिरिक्त जिम्मेदारी के साथ, हमारे अपने कर्मचारियों के लिए न्यूनतम जोखिम सुनिश्चित करना और उनके डर के साथ-साथ आशंकाओं का मुकाबला करना भी एक चुनौती से अधिक था। आज में यह विश्वास के साथ कह सकता हूँ कि न.दि.न.परिषद् राष्ट्रीय स्थानीय निकायों के बीच अपनी अग्रणीय प्रास्थिति के साथ सभी प्रमुख सेवाओं को निर्बाध तरीके से सुनिश्चित करने में सफल रही है।

देश में सामान्य दृष्टिकोण की तरह, न.दि.न.परिषद् की अनेक चल रही परियोजनाओं की गति और प्रगति बाधित हुई और कई अन्य शुरू नहीं हो सकी। नागरिकों को दी गई विभिन्न राहत के कारण इसका राजस्व भी प्रभावित हुआ। इन कोशिश कर रही परिस्थितियों में न.दि.न. परिषद् और उसके प्रतिबद्ध कर्मचारियों ने इस चुनौती को एक अवसर में बदलने का संकल्प लिया, अपने सामर्थ्य और बांउस बैंक की क्षमता का परीक्षण करते हुए उन्हें भविष्य के लिए तैयार किया और शॉकप्रूफ बनाया।

न.दि.न.परिषद् न केवल नगरपालिका सेवाओं की निरंतरता को बनाए रखने में सक्षम थी बल्कि अन्य स्थानीय निकायों और दिल्ली सरकार के साथ महामारी का मुकाबला करने के लिए अपने संसाधनों और जनशक्ति को समन्वित तरीके से उपलब्ध कराकर जन स्वास्थ्य में योगदान दिया। न.दि.न.परिषद् टीम ने मुख्य रूप से अपने अस्पतालों, जन स्वास्थ्य और बागवानी

क्षेत्रों में दिन प्रतिदिन की चुनौतियों से निपटने के लिए नए तरीकों और उपकरणों को विकसित करने के लिए दिन रात काम किया।

नई दिल्ली नगरपालिका परिषद् ने सूचना और संचार प्रौधोगिकी के क्षेत्र में क्रांतिकारी विकासों द्वारा खोली गई संभावनाओं को काम में लाने की क्षमता को बहुत पहले ही महसूस कर लिया था और उन्हें समय रहते अपनी व्यावसायिक प्रक्रियाओं में शामिल कर लिया था। इसने हमें कोविड चुनौती को और अधिक प्रभावी ढंग से पूरा करने में सक्षम बनाया। अब न.दि.न.परिषद् का इरादा उन्हें नगरपालिका सेवा वितरण हेतु अपनी रीढ़ की हड्डी के रूप में आधार बना कर रखना है। हम आगे ए-1 और ब्लॉक-चेन का लाभ उठाकर उन्हें तकनीकी रूप से आगे बढ़ांएगे। इन कठिन परिस्थितियों में हमने अपने सम्पदा (एस्टेट) रिकार्ड को पूर्णत: डिजिटलाइज्ड तथा न.दि.न.परिषद् में बोर्ड भर में ई-ऑफिस लागू किया।

महामारी ने वास्तव में न.दि.न.परिषद् के राजस्व पर कुछ वित्तीय प्रभाव डाले विशेष रूप से वित्तीय वर्ष की अंतिम दो तिमाहियों के दौरान। यद्दपि न.दि.न.परिषद् ने पिछले कुछ वर्षों में निर्मित अपनी वित्तीय और तकनीकी शक्ति का लाभ उठाया है ताकि वह अपने नागरिकों पर बगैर कोई प्रतिकूल प्रभाव डाले स्वंय को सतत् बनाए रख सके। हम न केवल आशावादी हैं, बल्कि इस स्वर से और ऊपर ले जाने के लिए अधिक ऊर्जावान, बेहतर तैयार एवं सुसज्जित और न.दि.न.परिषद् को नई ऊँचाइयों तक ले जाने के लिए आश्वस्त हैं। हमने बजट तैयार किया है जो उसी को बताता है। हम न.दि.न. परिषद् को एक लचीला, समावेशी, उत्तरदायी, सतत् और भविष्य के लिए तैयार शहरी स्थानीय निकाय के रूप में राष्ट्रीय गौरव और वैश्विक बैंचमार्क बनाने के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुन: पुष्टि करते हैं।

अब मैं सर्वप्रथम वित्तीय अनुमानों के साथ वार्षिक बजट 2021-22 पेश करता हूँ।

बजट अनुमान 2021-22 की कुल प्राप्तियाँ ₹ 4299 करोड़ है जबकि संशोधित अनुमान वर्ष 2020-21 में ₹ 3645.25 करोड़ रखा गया है। वर्ष 2019-20 में कुल वास्तविक प्राप्तियाँ ₹ 3648.39 करोड़ थी। बजट अनुमान वर्ष 2021-22 में राजस्व प्राप्तियाँ ₹ 3590.81 करोड़ हैं जबकि वर्ष 2020-21 में संशोधित अनुमान ₹ 3143.25 करोड़ है तथा वर्ष 2019-20 में वास्तविक प्राप्तियाँ ₹ 3308.63 करोड़ है। वर्ष 2021-22 के बजट अनुमान में पूंजीगत प्राप्तियाँ ₹ 708.19 करोड़ हैं जबकि वर्ष 2020-21 के संशोधित अनुमान में ₹ 502 करोड़ का प्रावधान किया गया है तथा वर्ष 2019-20 में वास्तविक प्राप्तियाँ ₹ 339.75 करोड़ हैं।

वर्ष 2021-22 के बजट अनुमान के लिए कुल व्यय ₹ 4126.53 करोड़ है जबकि संशोधित अनुमान वर्ष 2020-21 में ₹ 3509.07 करोड़ का प्रावधान है तथा वर्ष 2019-20 में ₹ 3687.97 करोड़ का वास्तविक व्यय है। बजट अनुमान 2021-22 में

राजस्व व्यय ₹ 3473.29 करोड़ है जबकि संशोधित अनुमान वर्ष 2020-21 में ₹ 3087. 82 करोड़ का प्रावधान किया गया है तथा वर्ष 2019-20 में वास्तविक ₹ 3246.75 करोड़ था। संशोधित अनुमान वर्ष 2020-21 में ₹ 421.25 करोड़ के विपरीत बजट अनुमान 2021-22 में ₹ 653.25 करोड़ का पूंजीगत व्यय का अनुमान है तथा वर्ष 2019-20 में वास्तविक ₹ 441.22 करोड़ था।

अब मैं वर्ष 2020-21 के दौरान वृहद क्षेत्रों में कार्यों तथा उपलब्धियों पर प्रकाश डालूँगा तथा वर्ष 2021-22 हेतु योजनाओं तथा अनुमानों का प्रस्ताव रखूंगा।

1. निर्बाध न.दि.न.परिषद्

शहरी स्थानीय निकाय तथा नगरपालिका सेवाओं की वितरण इकाई के रूप में, न.दि.न. परिषद् सामान्य स्थितियों में तथा असामान्य स्थितियों में भी अपनी सेवाओं को निर्बाध रूप से उपलब्ध रखने का प्रयास करती हैं। कोविड-19 के अनुभव के साथ, न.दि.न. परिषद् अपने नागरिकों को आवश्यक आश्वासन देने के लिए ऐसी स्थितियों को अधिक प्रभावी ढंग से पूरा करने के लिए रणनीतियों तथा क्षमताओं का विकास कर रही हैं। एक अभूतपूर्व स्थिति होने से कोविड-19 की प्रतिक्रिया अधिक सहज रही हैं, किन्तु इन अनुभवों में से प्रत्येक ने हमारे साथ अद्वितीय शिक्षण छोड़ा हैं, जो हमारे कार्य कार्यक्रम में सकारात्मक असर डाल रहा हैं।

1.1 कोविड-19 से आपातकालीन प्रतिक्रिया

न.दि.न.परिषद् क्षेत्र के संबंध में कोरोना वायरस प्रभावित देशों का दौरा करने वाले व्यक्तियों में जागरुकता पैदा करना और स्क्रीनिंग के लिए डॉक्टरों, पैरा मेडिकल स्टॉफ तथा सार्वजनिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों से युक्त दो त्वरित प्रतिक्रिया टीमों का गठन किया गया था। इसमें उनकी पहचान, निरन्तर निगरानी तथा दिल्ली सरकार के प्रयासों के पूरक भी सम्मिलित थे।

न.दि.न.परिषद् ने न केवल अपने अधिकारिक भवनों के प्रवेश द्वार पर थर्मल स्कैनिंग तथा सैनिटाइजेशन प्रदान किया, अपितु सार्वजनिक स्थानों के साथ-साथ उन घरों/स्थानों पर भी ऐसी गतिविधियों को अंजाम दिया, जहाँ कोरोना वायरस से प्रभावित व्यक्ति क्वारंटाइन थे

1.2 निर्बाध तालमेलः संसाधनों को साझा करना

कोविड-19 ने हमें साबित कर दिया हैं कि हमारा केवल एक साथ भविष्य हैं। दिल्ली डिजास्टर मैनेजमेंट एजेंसी (डीडीएमए) तथा दिल्ली प्रशासन के अनुरोध

पर न.दि.न.परिषद् ने अपने विभिन्न परिसरों अर्थात् सरोजिनी नगर के बारात घर/घरों तथा पालिका धाम के सामुदायिक केन्द्र को बेघर व्यक्तियों के लिए आश्रय गृह स्थापित करने के लिए नि:शुल्क उपलब्ध कराया गया। इसी प्रकार, दिल्ली पुलिस के अनुरोध पर लोदी रोड, मन्दिर मार्ग, खान मार्किट, बापूधाम, लक्ष्मीबाई नगर, किदवई नगर, मोती बाग तथा काका नगर में बारात घर/घरों को कोविड-19 ड्यूटी पर अतिरिक्त पुलिस कर्मियों को स्थान देने के लिए आवंटित किया गया था।

न.दि.न.परिषद् ने नई दिल्ली जिला में अपने नौ सामुदायिक केन्द्रों को आवश्यक सेवाओं पर तैनात अधिकारियों/चिकित्सा कर्मचारियों के रात्रि प्रवास के लिए नि:शुल्क उपलब्ध कराया।

1.3 निर्बाध स्वच्छता: बॉयो हेजरड् वेस्ट मैनेजमेंट

न.दि.न.परिषद् ने अपने क्षेत्र में व्यापक ठोस कूडा प्रबंधन किया और संग्रहण की आवृत्ति में वृद्धि की। बॉयो हेजरड् वेस्ट से निपटने के सीमित अनुभव के साथ, न.दि.न.परिषद ने कोविड-19 केन्द्रों तथा आइसोलेशन के अंतर्गत व्यक्तियों के घरों से कचरे को उठाना भी प्रोफेशनली रूप से सुनिश्चित किया।

1.4 निर्बाध सुरक्षा: आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाएं

अपने सामने महामारी आने से, न.दि.न.परिषद् ने प्राथमिक प्रतिक्रिया, प्रत्याशित रोगियों की संख्या में वृद्धि के रूप में अपने स्वास्थ्य के बुनियादी ढांचे को तैयार किया। इसके अस्पतालों में रोगी को देखने की क्षमता बढ़ाई गई तथा किसी भी स्थिति को संभालने के लिए दवाओं का तुरंत स्टॉक किया गया। स्वास्थ्य चिकित्सकों के बीच भी कोरोना के बढ़ने के डर, से न.दि.न.परिषद् टीम ने अपने पहले से ही सीमित स्टॉफ को उजागर किए बिना हाई रिस्क रोगियों की स्क्रीनिंग के लिए अपने यहाँ एक नवीन, टच फ्री 'फ्लू सेन्टर' का विकास किया।

कुछ ही समय में सेवाओं की माँग कई गुना बढ़ गई और न.दि.न.परिषद् ने मोबाइल वैनों सहित अतिरिक्त परीक्षण सुविधाओं का निर्माण करते हुए प्रतिक्रिया व्यक्त की, विभिन्न केन्द्रीय मंत्रालयों, राज्य भवनों में परीक्षण सेवाओं का संचालन किया तथा राष्ट्रपति भवन एवं संसद में विशेष परीक्षण सुविधाओं की स्थापना की।

समुदाय में महामारी के प्रसार की सीमा निर्धारित करने के लिए सीरो सर्विलांस प्रोग्राम आयोजित किया गया था तथा आपातकालीन आधार पर नई दिल्ली जिला क्षेत्र में कोविड आइसोलेशन सेंटर स्थापित किए गए थे।

न.दि.न.परिषद् 24X7 पहुँच के आधार पर दिशा-निर्देश और परामर्श प्रदान के लिए दो विशेषज्ञ एवं तीन चिकित्सा अधिकारियों के साथ एक आपातकालीन हेल्पलाइन शुरू की। होम आइसोलेशन, क्वारंटाइन तथा आइसोलेशन सेंटरों से बॉयो मेडीकल वेस्ट कलैक्शन, पीपीई किट, सेनीटाइजर्स तथा प्रशिक्षण एवं डीपीसीसी वेबसाइट पर वास्तविक समय में अपलोडिड करना सुनिश्चित किया गया। होम आइसोलेशन के अन्तर्गत उन व्यक्तियों के लिए उनके पास की डिस्पेंसरियों के चिकित्सा अधिकारी ने दवाइयाँ ऑक्सीमीटर आदि सहित सभी दिशा-निर्देश दिए।

इन सेवाओं को वितरित करते समय, न.दि.न.परिषद् ने सभी कोरोना वारियर्स को पर्सनल प्रोटेक्शन इक्यूपमैंट (पीपीई) किट तथा अन्य सुरक्षा उपकरणों से सुसज्जित किया।

1.5 निर्बाध संचार: नागरिकों की तैनाती

कोविड-19 पर जागरूकता पैदा करने के लिए बहुस्तरीय रणनीति का उपयोग किया गया था न.दि.न.परिषद् क्षेत्र में नुक्कड़ नाटक, डोर टू डोर अभियान, डिजिटल मीडिया, वेबिनार, सोशल मीडिया प्लेटफार्म (एनडीएमसी फेसबुक, ट्विट्र और इन्स्टाग्राम) पैम्प्लेट वितरण, पोस्टर प्रदर्शन के माध्यम से आरडब्ल्यूए, एमटीए तथा जे.जे. क्लस्टर्स में पूर्वोपाय किये गये। कोविड-19 संक्रमण को रोकने, प्रथक्करण, घरेलू खाद तथा जीरो लिटरिंग के लिए जाने वाली सावधानियाँ जैसे विभिन्न विषयों पर जागरूकता पैदा की गई है। सहभागितापूर्ण कार्यान्वयन के लिए आरडब्ल्यूए/एमटीए/ जे.जे. प्रधानों के साथ नियमित बैठक आयोजित की जा रही है।

1.6 निर्बाध पावर: 24X7 पावर आपूर्ति सुनिश्चित करना

न.दि.न.परिषद् को अपने नागरिकों तथा अन्य प्रतिष्ठानों अस्पतालों जैसे एम्स, सफदरजंग आरएमएल, लेडी हार्डिंग आदि जिन्हें कोविड केयर सेन्टर घोषित किया गया है, को निर्बाध पावर आपूर्ति बनाए रखने के लिए डिस्कॉम भी माना जा रहा है। यद्यपि, विद्युत विभाग के कुछ अधिकारी भी कोरोना से संक्रमित हो गए थे और उनकी मृत्यु हो गई, सेवा की निरन्तरता बनी हुई थी। आपातकालीन

स्थिति की लम्बी अवधि को देखते हुए, न.दि.न.परिषद् ने सदृश, अपने बिजली के बुनियादी ढांचे की स्थिति की समीक्षा की और जहां भी आवश्यक हो, वहां उन्नयन शुरू किया।

1.7 निर्बाध कर्मचारी कल्याणः न.दि.न.परिषद् कर्मचारियों के लिए उपाय

जबकि न.दि.न.परिषद् टीम कोविड-19 ड्यूटी से संबंधित विभिन्न सेवाओं के काम में लगी हुई थी, न.दि.न.परिषद् ने अपने कर्मचारियों के स्वास्थ्य एवं कल्याण के साथ कोई समझौता नहीं किया। न.दि.न.परिषद् ने जल्दी जल्दी और सिलसिलेवार सीजीएचएस दरों पर सभी एम्पैनेल्ड अस्पतालों में कोविड-19 रोगियों को उपचार की सुविधा देने का निर्णय लिया तथा कोविड-19 से संक्रमित न.दि.न.परिषद् स्टाफ कल्याण सैल का गठन किया।

सेवानिवृत्त कर्मचारियों के हेल्थ मेडिकल कार्ड की वैधता, जो 31.03.2020 को समाप्त हो गई थी, 30.04.2021 तक बढ़ा दी गई थी। न.दि.न.परिषद् ने सीजीएचएस के बराबर कोरोना अवधि के दौरान दवा के पर्चे के आधार पर बिना ओपीडी के दवा के दावों की प्रतिपूर्ति की अनुमति दी है। न.दि.न.परिषद् एम्पैनेल्ड अस्पतालों में कोविड-19 संक्रमण के इलाज के लिए अस्थाई कैशलेस चिकित्सा सुविधाएं सभी अनुबन्धीय/आरएमआर कर्मचारियों के लिए बढ़ाई गई थी विशेष उपाय के रूप में, कोरोना एक्सपोजर में आशंकाओं को कम करने और उनके मनोबल को बढ़ाने के लिए कर्मचारियों की मृत्यु(नियमित) अनुबन्ध/आरएमआर/टीएमआर आउटसोर्स सहित) के मामले में 15 लाख रूपये की मुआवजा योजना शुरू की गई।

1.8 कोविड-19 के दौरान न.दि.न.परिषद् स्कूलों में निर्बाध शिक्षा

कोविड-19 महामारी ने समूचे विश्व में सभी क्षेत्रों में विशेष रूप से शिक्षा प्रणाली में अभूतपूर्व चुनौतियाँ उत्पन्न की। इसने विश्व स्तर पर छात्रों की शिक्षा को प्रभावित किया। पूरे भारत में मार्च 2020 से स्कूल बंद हैं।

यह सुनिश्चित करने के लिए कि स्कूलों को बंद करने से शैक्षणिक नुकसान न हो, न.दि.न.परिषद् और नवयुग स्कूलों ने ग्लोबल ट्रेंड के अनुसार अपनी शिक्षा प्रणाली को जल्दी से तैयार किया और अप्रैल के पहले सप्ताह तक, शैक्षणिक सत्र में बिना किसी देरी के, **''स्कूलिंग एट होम टू द लर्नर्स''** प्रदान करके ऑनलाइन शिक्षा के लिए अनुकूलित किया।

ऑनलाइन शिक्षण एक वैकल्पिक उपकरण बनकर उभरा, यद्यपि न.दि.न.परिषद् को सभी संसाधनों के साथ समाज के आर्थिक रूप से कमजोर वर्गो से आने वाले बच्चों के लिए सुधार करना था। न.दि.न.परिषद् ने सभी उपलब्ध उपकरणों तथा डिजिटल प्लेटफार्मों जैसे: जूम, गूगल मीट, सिसको वेबएक्स, गूगल क्लासरूम, वाट्सअप का तथा नियमित फोन अथवा एस.एम.एस. का भी उन शिक्षार्थियों के लिए प्रयोग किया, जो किसी भी समय कहीं भी वास्तविक समय पर ऑनलाइन शिक्षण सुनिश्चित करने के लिए लोकप्रिय साधनों के माध्यम से कनेक्ट नहीं हो पाए थे। सांस्कृति और राष्ट्रीय एकता कार्यक्रमों, ऑनलाइन योग, आनॅलाइन कला और संगीत इत्यादि के माध्यम से समग्र विकास सुनिश्चित किया गया था। पीटीएम फॉरमैटिंग असैसमेंट तथा स्टॉफ मीटिंग्स में दोनों तरफ से बातचीत के लिए ऑनलाइन किया गया।

न.दि.न.परिषद् शिक्षकों ने क्रमश: **अटल आदर्श विद्यालय और नवयुग स्कूलों के शिक्षकों द्वारा दो यूट्यूब चैनल-अटल आदर्श शिक्षा तथा नवयुग प्रगति का शुभारंभ किया,** जहाँ कंटेन्ट क्रिएशन और टेक्नॉलाजी दोनों को इन-हाउस संभाला गया है। ये चैनल न.दि.न.परिषद् के समावेशी दर्शन के साथ सभी के लिए सुलभ है।

अधिकांश छात्रों की आर्थिक स्थिति को ध्यान में रखते हुए, न.दि.न.परिषद् ने जल्द ही 4 स्कूलों में कक्षा दसवीं एवं बारहवीं के 811 छात्रों के लिए डेटा कनेक्टिविटी के साथ प्री-लोडेड टेबलेट्स प्रदान करने के लिए एक पायलट परियोजना शुरू की।

लॉकडाउन की अवधि की शुरूआत में, ज्यादातर माता-पिता कमाई का जरिया कम होने के कारण कठिनाईयों का सामना कर रहे थे तथा कक्षा दसवीं तथा बारहवीं के छात्रों को मिड-डे-मील भत्ता एवं इंटरनेट डाटा पैक शुल्क दो महीने के लिए नकद प्रदान किया गया। दिसम्बर 2020 से चालू सत्र के शेष आगे के महीनों के लिए इसे जारी रखा जाएगा।

1.9 नागरिकों को निर्बाध रूप से राहत

कोरोना समय में नागरिकों की कठिनाइयों को ध्यान में रखते हुए, न.दि.न.परिषद् ने उन्हें कई राहत दी। सम्पत्ति कर की दरें नहीं बढ़ाई गई। लाइसेंस शुल्क के मामले में, होटलों को छोड़कर सभी सम्पत्तियों पर अप्रैल-2020 के मास में, द्विवार्षिक/वार्षिक वृद्धि प्रभावी है, सरकारी विभाग तथा पीएसयू प्रभावित नहीं हुए। यह छूट वित्तीय वर्ष 2020-21 के लिए लागू हैं। इसके अलावा उन्हें

दिसम्बर–2020 तक किस्तों में अप्रैल 2020 से सितम्बर–2020 के मास के लिए बकायों सहित लाइसेंस शुल्क का भुगतान करने की अनुमति दी गई हैं तथा बकाया पर कोई ब्याज नहीं लिया गया हैं, यदि भुगतान निर्धारित अवधि के भीतर अर्थात् दिसम्बर–2020 तक किया जाता हैं।

इसी प्रकार, न.दि.न.परिषद् वृद्धाश्रम तथा कामकाजी महिला हॉस्टल, में रहने वालो की विशेष स्थिति को ध्यान में रखते हुए, वार्षिक वृद्धि की अनुसूची को रोककर रखा गया था तथा कामकाजी महिला हॉस्टल में विलम्ब प्रभार के बिना किस्तों में बकाया के भुगतान की अनुमति दी गई थी।

स्वास्थ्य लाइसेंस के मामले में, न.दि.न.परिषद् द्वारा जारी विभिन्न विद्यमान स्वास्थ्य/व्यवसाय लाइसेंसों जो दिनांक 01.03.2020 के पश्चात् समाप्त हो गए, को कुछ शर्तों के साथ दिनांक 31.03.2021 तक एक बार विशेष नवीनीकरण/ऑटोमैटिक एक्सटेंशन दिया गया था।

1.10 कोविड–19 के साथ रहना

कोविड–19 एक दीर्घकालिक चुनौती साबित हुई हैं, तथा प्रत्येक को अपनी व्यावसायिक प्रक्रियाओं एवं अपेक्षाओं को वास्तविकता के रूप में स्वीकार करते हुए फिर से मॉडल तैयार करना हैं। नगरपालिकाओं को भविष्य में शॉक प्रूफ शहरों के रूप में विकसित होने की आवश्यकता हैं, न केवल ऐसी महामारियों को अपितु किसी भी प्रकार की प्राकृतिक तबाही से निपटने में सक्षम होना चाहिए तथा प्रोफेशनल मैनर में सामना करने की क्षमता होनी चाहिए। न.दि.न. परिषद् अपने सामाजिक सुधारों को ध्यान में रखते हुए रुकावटों से मुक्त अपने समस्त बिजनेस प्रोसेस को ध्यान दे रही हैं। पूर्णतः डिजिटल कार्य का माहौल, पर्सनल सेफ्टी प्रोटोकॉल, पब्लिक प्लेस प्रोटोकॉल, इकोनॉमिक अवसरों की प्राप्ति तथा नो टच विजनेस प्रोसेसिज समस्त कार्यों को नियंत्रित करेगी, जिसे न.दि.न. परिषद् लम्बी अवधि के लिए ग्रहण करने के लिए तैयार है।

2. टेक इनेबल न.दि.न.परिषद्: इन्फोर्मेशन टेक्नोलॉजी गवर्नेस

आईटी गवर्नेस फ्रेमवर्क किसी भी संगठन की बिजनेस रणनीति के साथ आईटी रणनीति की मैत्री करता हैं जिससे वे अपनी रणनीतियों एवं लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए गौर करने लायक परिणाम दे सके। यह दो से अधिक दशकों से न.दि.न.परिषद् का मुख्य आधार रहा है।

हाँलाकि, कोविड-19 के बाद इन सभी पहलों को सूचना, वित्तीय जवाबदेही, डाटा रिटेन्शन तथा आपदा बहाली की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए नागरिक केन्द्रित सेवाओं के उत्पादन के लिए समेकित, पुनर्गठन और एकीकृत करने की आवश्यकता है। न.दि.न.परिषद् एक स्थायी भविष्य की तैयारी करने के लिए वैश्विक सर्वश्रेष्ठ शासन फ्रेमवर्क और प्रौधोगिकियों का लाभ उठाते हुए अपने आई टी बिजनेस प्लान को परिष्कृत करने का इरादा रखती है।

इसे सुनिश्चित करने के लिए, न.दि.न.परिषद् अपने विद्यमान आईटी इन्फ्रास्ट्रक्चर की समीक्षा करने, वितरण क्षमता बढ़ाने के मॉडल सहित शासन फ्रेमवर्क तथा भविष्य के विकास प्लान की सिफारिश करने के लिए सर्वश्रेष्ठ राष्ट्रीय परामर्श एजेंसियों की सेवाओं की मांग करेगी। इसमें साइन्टिफिक इन्फोर्मेशन सेक्यूरिटी एसेस्मेन्ट तथा एक समर्पित आई टी वर्कफोर्स तथा कैडर मैनेजमेन्ट संरचना की योजना भी शामिल होगी। यह अध्ययन वित्तीय वर्ष 2021-22 में पूरा होगा तथा अगले दशक के लिए एक व्यापक योजना तैयार करेंगे।

2.1 अब मैं पाइपलाइन में हमारी पहले से चल रही पहल और अन्य परियोजनाओं की स्थिति प्रस्तुत करूँगा।

2.1.1 पालिका केन्द्र में नेटवर्किंग

पालिका केन्द्र में उच्च क्षमता तथा स्पीड के साथ विद्यमान नेटवर्क को बदलने के लिए कार्य सौंपा गया है तथा यह मार्च 2021 तक पूर्ण हो जाएगा।

2.1.2 शहरी सम्पत्तियों/संस्थानों के लिए यूनिक स्मार्ट एड्रेस

इस योजना के अन्तर्गत 52822 से अधिक डिजिटल डोर नंबर बनाए गए हैं और 40245 प्लेटें लगाई गई हैं। न.दि.न.परिषद् ने आगे बढ़ते हुए शहरी सम्पत्तियों के लिए यूनिक चार डिजिट एल्फा न्यूमेरिक आयडेन्टिफायर को पेश करने के लिए प्रारम्भिक कदम उठाए हैं जो वैश्विक अनुप्रयोगों के साथ मूल रूप से एकीकृत हो सकते हैं। यह मार्च 2021 तक शुरू किया जाएगा।

2.1.3 नागरिक सेवाओं के दस्तावेजों का डिजिटलीकरण

न.दि.न.परिषद् अपनी सभी नागरिक सेवाओं को पूरी तरह से डिजिटाइज करने के लिए प्रतिबद्ध है और पहले कदम रूप में, विद्यमान दस्तावेजों का डिजिटलीकरण जारी है। पहले चरण में, रिकार्डो का मिलान तथा सूचीकरण के साथ 42 लाख

से अधिक पृष्ठ पहले ही पूर्ण हो चुके है। मार्च 2021 तक समस्त पुराने रिकार्ड को डिजिटल कर दिया जाएगा।

2.1.4 न.दि.न.परिषद् क्षेत्र में सभी नागरिक सेवाओं के लिए सिंगल साइन-ऑन (एसएसओ)

सिंगल साइन-ऑन (एसएसओ) सेवा उपयोगकर्ताओं को सिंगल लॉगइन के साथ कई सेवाओं का उपयोग करने की सुविधा प्रदान करती है जो इस वर्ष 6 सेवाओं के साथ शुरू की गई है तथा मार्च 2021 तक और अधिक सेवाओं को जोड़ा जाएगा।

2.1.5 न.दि.न.परिषद् क्षेत्र में कॉमन सर्विस सेन्टर (सीएससी)

इस कार्यक्रम के अन्तर्गत सरोजिनी नगर, मिंटो रोड तथा किदवाई नगर में पहले से ही तीन कॉमन सर्विस सेन्टर सफलतापूर्वक चल रहे हैं तथा वर्तमान आवश्यकतानुसार पर्याप्त है। आवश्यकता के आधार पर भविष्य में और अधिक कॉमन सर्विस सेन्टर संवर्धित किए जाएगें।

2.1.6 ई-ऑफिस का कार्यान्वयन

चुनौतीपूर्ण कोविड स्थिति के बावजूद, न.दि.न.परिषद् ने सभी विभागों में एनआईसी की ई-ऑफिस प्रणाली को सफलतापूर्वक लागू किया है। इससे न केवल जवाबदेही, पारदर्शिता और दक्षता बढ़ेगी अपितु पूरी तरह से पेपरलेस वर्किंग वातावरण की शुरूआत कर कोविड-19 को शामिल कर एक टूल बन जाएगा।

2.1.7 चैट-बोट सुविधा आधारित अर्टिफिशियल इन्टेलीजैंस

न.दि.न.परिषद् की वेबसाइट पर चैट-बाक्स सुविधा उपयोगकर्ताओं को उनकी जरूरत की जानकारी बुद्धिमानी से देने तथा कम प्रयासों में तेजी से देने में सहायता करेगी। यह सुविधा मार्च-2021 के अंत तक उपलब्ध कराई जाएगी।

2.1.8 आईटी आवेदकों के लिए डिजास्टर रिकवरी साइट की स्थापना

इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर और विभिन्न अन्य एप्लीकेशन्स के लॉन्च के साथ बिजनेस कॉन्टीन्युटी सर्वोपरि हो गई है। डिजास्टर रिकवरी साइट की

स्थपना का कार्य शुरू कर दिया है तथा इस वित्तीय वर्ष 2020-21 में पूरा हो जाएगा।

2.2 मैं अगले वित्त वर्ष 2021-22 के लिए न.दि.न.परिषद् में निम्नलिखित नई परियोजनाएँ शुरू करने का प्रस्ताव करता हूँ।

2.2.1 सरकारी परियोजना प्रबन्धन प्रणाली (जीपीएमएस)

परियोजनाओं को समय पर पूरा करने से न केवल नागरिक संतुष्टि मिलती है, बल्कि लागत में भी कमी आती है और पारदर्शिता को बढ़ावा मिलता है। एक आईटी आधारित परियोजना प्रबन्धन प्रणाली, व्यवसायिक प्रबन्धन कार्यो के लिए महत्वपूर्ण है। न.दि.न.परिषद् सरकारी परियोजना प्रबन्धन प्रणाली (जीपीएमएस) का एक पायलट शुरू करेगी जो जियो टैग्ड प्रोग्रेस मॉनीटरिंग के साथ पूर्ण रूप से पेपरलेस कामकाज की सुविधा प्रदान करेगा। यह प्रणाली वित्त वर्ष 2021-22 में पूरी तरह से लागू की जाएगी।

2.2.2 कार्य करने में आसानी: कॉमन पेमेंट पोर्टल पे-जीओवी

पे-जीओवी नागरिक सेवाओं के लिए सरकार द्वारा अनुमोदित, सुरक्षित और सुविधाजनक ऑनलाइन प्लेटफार्म है। न.दि.न.परिषद् की सभी सेवाओं को आम आदमी के लिए उनके इलाके में सामान्य सेवा वितरण आउटलेट्स के माध्यम से सुलभ बनाने तथा किफायती लागतों पर ऐसी सेवाओं की दक्षता, पारदर्शिता और विश्वसनीयता सुनिश्चित करने के लिए न.दि.न.परिषद्, न.दि.न.परिषद् की सभी सेवाओं के लिए इस कॉमन पेमेन्ट पोर्टल को लागू करने जा रही है।

2.2.3 कार्य करने में आसानी: यूनिवर्सल ऑनलाइन सेवाएं

न.दि.न.परिषद् इस वित्तीय वर्ष में पूर्ण रूप से ऑनलाइन होने के लिए प्रतिबद्ध है तथा उसने अपने प्रत्येक 56 पहचान की गई नागरिक सेवाओं को ऑनलाइन उपलब्ध कराने के लिए एक अभियान चलाया है। उनमें से 44 सेवाएं पहले ही ऑनलाइन हो चुकी हैं और शेष 12 वित्त वर्ष के अंत तक पूर्ण हो जाएंगी। यह पूरी तरह से किसी भी नागरिक को न. दि.न.परिषद् में आने जाने की आवश्यकता को समाप्त करेगा तथा समय पर, परेशानी मुक्त न.दि.न.परिषद् सेवाओं को सुनिश्चित करेगा।

2.2.4 डाटा बैकबोनः पालिका नेट

न.दि.न.परिषद् की विभिन्न एप्लिकेशन्स कई अपने और आउटसोर्स डाटा नेटवर्क पर चलते है, जो कई बार उपयोगकर्ताओं द्वारा शीघ्र और सेवा एक्सेस पर सीमित बन जाते है। बदले हुए परिदृश्य में कोविड के बाद यहां तक कि बुनियादी सेवाओं जैसे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग तथा नई प्रौधोगिकियों जैसे एआई, ब्लॉक चैन तथा आईओटी की तैनाती से विद्यमान बैंडविथ को और अधिक अवरूद्ध होने की उम्मीद है। न.दि.न. परिषद् अपनी डाटा बैंडविथ की आवश्यकता की पूर्ण रूप से पुनः निर्धारण करेगी तथा उच्च उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए अपनी सभी एप्लिकेशन्स की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए न.दि.न. परिषद् में सभी जगह एक सिंगल डाटा बैकबोन पालिका नेट बनाएगी।

2.2.5 न.दि.न.परिषद् वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग मैनेजमेन्ट सिस्टमः पालिका दृश्य

सोशल डिस्टेन्सिंग सुनिश्चित करने तथा अपने कर्मचारियों को जोखिम मुक्त कार्य वातावरण प्रदान करने के लिए, न.दि.न.परिषद् अपने सभी कर्मचारियों को और तेज तथा निर्बाध मानव संपर्क के लिए डेस्क टॉप तथा मोबाइल आधारित वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग आधारिक संरचना स्थापित करेगी।

2.2.6 सुरक्षित आईटी इन्फ्रास्ट्रक्चर तथा डाटा

आईटी गवर्नेन्स के लिए दीर्घकालिक विजन पर कार्य करते हुए, न.दि.न. परिषद् अपने आईटी इन्फ्रास्ट्रक्चर और डाटा की उपलब्धता तथा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सतत् रहेगी और इस प्रयोजन के लिए नवीनतम सिस्टम और एप्लिकेशन्स की तैनाती करेगी। इस वित्तीय वर्ष में, हम संवेदनशील इन्स्टॉलेशन्स को देखते हुए अपने संवेदनशील डाटा तथा इन्टरप्राइज सूचना के अन्य रूपों की सुरक्षा के लिए डाटा लॉस प्रिवेंशन सिस्टम (डीएलपी) तथा होस्ट इन्ट्रूजन प्रिवेंशन सिस्टम (एचआईपीएस) को लगाने का इरादा रखते है।

2.2.7 टैक्नॉलाजी पायनियरः ब्लॉक-चैन

अपने खुले लेन`देने के लेजर्स-एड्स के साथ ब्लॉक चेन जवाबदेही की एक अभूतपूर्व परत जोड़ता है, जिससे विक्रेंद्रीकरण, अपरिवर्तनीयता, सुरक्षा और पारदर्शिता होती है ब्लॉक चेन प्रौधोगिकी तीसरे पक्ष पर निर्भर

किए बिना सत्यापन की अनुमति देती है, यह पहले से ही दुनियाभर में कार्य प्रक्रियाओं को बदल रहा है और न.दि.न.परिषद् प्रौधोगिकी अनुकूलन में एक पायनियर है जो इसे प्रथम चरण में जन्म और मृत्यु के एप्लिकेशन और ई-फाइनेंशियल एप्लिकेशन में लागू करेगा।

2.2.8 एसीआर/एपीएआर की ऑनलाइन जवाबदेही लाना

प्रदर्शन का मूल्यांकन के लिए एक विश्वसनीय और समयबद्ध फीडबैक तंत्र के साथ एक कुशल कार्य का वातावरण बनाया जाता है जिसमें निहित विवेक के कारण एक पेपर आधारित प्रणाली में अच्छी तरह से काम नहीं किया गया। न.दि.न.परिषद् में एनआईसी द्वारा विकसित स्मार्ट परफोर्मेन्स अप्रेजल रिपोर्ट रिकार्डिंग आनॅलाइन विंडो (एसपीएआरआरओडब्ल्यू) को लगाया जाएगा और जो पहले से ही विभिन्न केन्द्रिय सरकारी संगठनों में लगा है।

आने वाले वर्षो में, न.दि.न.परिषद् सूचना प्रौधोगिकी क्षेत्र में ₹ 13.20 करोड़ की राशि का व्यय करने का प्रस्ताव है जिसमे से ₹ 7.44 करोड़ पूँजी कार्यो के लिए है।

3. स्मार्ट न.दि.न.परिषद्

3.1 वित्तीय वर्ष 2019-20 के दौरान, स्मार्ट सिटी मिशन के अंतर्गत कई पहलो की घोषणा की गई थी। मुझे यह सूचित करते हुए बहुत खुशी हो रही हैं कि इनमें से अधिकांश परियोजनाएं अंतिम चरणों में हैं और इस वर्ष के पूरा होने या अगले वर्ष की शुरूआत में पूर्ण होने की संभावना हैं। हम इन पहलो पर ध्यान केन्द्रित करने और अगले वित्तीय वर्ष में उनके समयबद्ध समापन को सुनिश्चित करने की योजना बना रहे हैं। अब मैं उनकी स्थिति के बारे में बताना चाहूँगा।

3.2 इंटीग्रेटेड कमांड एण्ड कंट्रोल सिस्टम

मुख्यालय भवन, पालिका केन्द्र में इंटीग्रेटेड कमांड एण्ड कंट्रोल सिस्टम (आईसीसीसी) स्थापित किया गया तथा माननीय उप राज्यपाल, दिल्ली द्वारा दिनांक 11 सितम्बर, 2020 को इसका उद्घाटन किया गया। यह स्टेट ऑफ आर्ट तथा अपनी तरह का पहला आईसीसीसी बीस नगरपालिका सेवाओं को एलईडी स्मार्ट लाईटिंग, ठोस कूड़ा प्रबन्धन, एयर क्वालिटी सेंसर, स्मार्ट पार्किंग सिस्टम, जन्म और मृत्यु, न.दि.न.परिषद् वाहनों के लिए जीपीएस, एलईडी स्क्रीन, पब्लिक वाई-फाई, बिल्डिंग प्लान अप्रूवल, स्मार्ट इलैक्ट्रिक मीटर, इलैक्ट्रिसिटी बिलिंग, ई-अस्पताल, एसटीपी, इवेंट मैनेजमेंट तथा अन्यों के बीच शिकायत निवारण को एकीकृत करता हैं। आईसीसी पूर्णत: स्केलेबल हैं तथा और अधिक सेवाओं जैसे इलैक्ट्रिकल स्काडा, वॉटर स्काडा इत्यादि को जोड़ने में सक्षम होगा। स्मार्ट सेवाओं से संबंधित सूचना तथा सभी ऑनलाइन डाटा की उपलब्धता के नोडल प्वाइंट की तरह, इनकी भी निगरानी की जा सकती हैं तथा सिंगल प्वाइंट से समय पर कार्रवाई सुनिश्चित की जा सकती हैं। इससे नागरिक सेवाओं की डिलीवरी में एक आदर्श बदलाव आएगा। यह उल्लेखनीय हैं कि परियोजना का पहला चरण कोविड वातावरण में भी पूरा हो सकता हैं।

परियोजना के अगले चरण में सम्पत्ति कर, सम्पदा प्रबन्धन, कार्यशाला प्रबन्धन तथा सम्पत्ति प्रबन्धन पर चार महत्वपूर्ण ईआरपी माड्यूल सम्मिलित हैं। जहाँ पहले दो नागरिकों को बिजनेस करने में आसानी महत्वपूर्ण ढंग से लाएंगे, वहीं अन्य दो न.दि.न.परिषद् में दक्षता तथा जवाबदेही को जोड़ेगे ।

3.3 स्मार्ट बिन्स, चरण-II

स्मार्ट बिन्स, उनके प्रबन्धन के लिए नियंत्रण केन्द्र को वास्तविक समय की जानकारी देकर सुगम बनाते हैं। चरण-II के अंतर्गत निविदा सहित खरीद प्रक्रिया पूर्ण हाने की संभावना हैं तथा वित्त वर्ष 2021-22 में कार्य आरंभ हो जाएंगा।

3.4 स्मार्ट सड़कें

3.4.1 स्मार्ट सड़कें न केवल सौंदर्य की दृष्टि से विकसित होती हैं अपितु उनकी सुरक्षा से समझौता किए बिना उपयोगकर्त्ता की सुविधा और अनुभव सुनिश्चित करने के लिए भी डिजाइन की गई हैं। उनमें आधुनिक क्योस्क, स्ट्रीट फर्नीचर, पार्किंग की सुविधा, इलैक्ट्रिक पोल तथा दूसरों के बीच बैठने की जगह का प्रावधान होगा। ऐसी स्मार्ट रोड पहले से ही मिंटो रोड पर भू-दृश्यावली के प्रावधान पहले ही विकसित की गई हैं, जिसमें विद्यमान आर्च में सड़क के दोनों ओर अपलाइटर्स सिंचाई प्रणाली एसीपी पैनलों के प्रावधान के साथ रेलवे लाइन के प्रवेश मार्ग पर जी.आर.सी. ग्रिल हैं जो उसे बेहतर रूप देती हैं।

3.4.2 के.जी. मार्ग तथा बाराखम्बा रोड पर विकास कार्य के लिए संकल्पना योजना विकसित की जाएगी तथा वर्ष 2021-22 में कार्य किया जाएगा। मंडी हॉउस सर्कल पर विकास कार्य हेतु संकल्पना योजना तैयार की गई है तथा यह भी वर्ष 2021-22 में शुरू किया जाएगा।

3.5 स्टैंडर्ड न.दि.न.परिषद् क्योस्क

क्योस्क, कई नागरिक सेवाओं का प्वाइंट होने के कारण, शहर की निहित विशेषता को ध्यान में रखते हुए, न.दि.न.परिषद् का विकास करने की आवश्यकता हैं। सैम्पल स्टैण्डर्ड क्योस्क के लिए डिजाइनों को तैयार किया गया तथा कार्य को वित्तीय वर्ष 2020-21 में निष्पादित किया जाएगा। सभी क्योस्कों के संशोधन का प्रस्ताव तैयार किया जाएगा तथा वित्तीय वर्ष 2021-22 में शुरू किया जाएगा।

3.6 स्मार्ट बस क्यू शेल्टर्स

स्मार्ट बस क्यू शेल्टर्स भी इन स्टॉप्स पर होते हुए यात्रियों को अतिरिक्त सेवाएँ उपलब्ध कराते हैं।

3.7 स्मार्ट पोल परियोजना

स्मार्ट पोल परियोजना को पायलट तथा कई अन्य सेवाओं के साधन के रूप में लिया गया। टेलिकोम इंडस्ट्री में वर्तमान परिदृश्य के अनुसार, कई सेवा प्रदाता पीपीपी मॉडल के अंतर्गत निवेश में रूचि नहीं रखते। परियोजना की संभावना

की समीक्षा की जा रही हैं, जिसके आधार पर मामले को अनुमोदन के लिए परिषद् के समक्ष रखा जाएगा।

3.8 महिलाओं के लिए स्मार्ट सार्वजनिक शौचालय इकाईयाँ

न.दि.न.परिषद् ने महिलाओं के लिए एक विशेष पहल के रूप में तीन गुलाबी शौचालयों का निर्माण किया था, जो संसद मार्ग पर जीवन भारती बिल्डिंग, आउटर सीपी में फैक्ट्री रोड तथा सुपर बाजार में चल रहे हैं। चार ऐसे और शौचालयों को एस.एन. मार्किट, डी एवेन्यू तथा सफदरजंग अस्पताल गेट नं0 1 तथा 4 पर शुरू किया जाएगा। पीपीपी मॉडल के अंतर्गत पीटीयू/सीटीयू हेतु सामान्य आरएफपी में पाँच और पिंक शौचालयों के प्रावधान को भी सम्मिलित किया गया हैं। इनमें एक खान मार्किट पर, दो चैम्सफोर्ड रोड पर, एक श्रीराम कला केन्द्र कॉपर्निक्स मार्ग पर तथा एक शिवाजी स्टेडियम पर सम्मिलित होगा। यह कार्य वर्ष 2021-22 में पूर्ण किया जाएगा।

3.9 तीसरे जेण्डर के लिए शौचालय का निर्माण

न.दि.न.परिषद् ने पीटीआई क्लब के निकट शास्त्री भवन में विशेष रूप से तीसरे जेण्डर के लिए एक शौचालय का निर्माण किया है। न.दि.न.परिषद् क्षेत्र में स्थल की पहचान तथा सम्भाव्यता का आकलन करने के उपरांत उनके लिए ऐसे और शौचालयों का निर्माण प्रस्तावित है।

3.10 सार्वजनिक स्थानों पर ओपन जिम

न.दि.न.परिषद् ने पूर्व में काफी संख्या में ओपन जिम का निर्माण किया है तथा यह उचित माना जाता है कि स्थल की सम्भाव्यता की शर्त पर आरडब्ल्यूए के अनुरोध एवं उपयोगकर्ताओं की संख्या के आधार पर नई साइटें ली जाएं। सीनियर सेकण्डरी गर्ल्स स्कूल मंदिर मार्ग का शेष ओपन जिम का कार्य वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान निष्पादित किया जाएगा।

3.11 मॉड्यूलर बरसाती जल संचयन

60 मॉड्यूलर आरडब्ल्यूएच पिट्स का कार्य शुरू हो गया है तथा वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान कार्य पूरा होने की संभावना है।

3.12 हेप्पीनेस एरिया का विकास

3.12.1 गोल चौराहा पार्क तथा गार्डन और मुख्य सार्वजनिक स्थल जैसे सार्वजनिक स्थान हेप्पीनेस एरिया हैं जहाँ लोगों का अनुभव बढ़ा है। वर्तमान में एम्स हरित क्षेत्र तथा नेहरू पार्क का कार्य प्रग्रति पर है। जनपथ जंक्शन पर यॉर्क प्लेस सर्कल तथा मोती लाल नेहरू मार्ग का विकास कार्य भी प्रक्रियाधीन है तथा वर्ष 2021-22 में पूर्ण हो जाएगा।

3.12.2 मैंने रोज गार्डन, रेल भवन, ताज मान सिंह होटल के निकट गोल चौराहा इत्यादि तथा अन्य उपमुख्य स्थानों पर और ज्यादा हेप्पीनेस एरिया का विकास प्रस्तावित किया था, जो उन्हें आसपास के इलाकों में सांस्कृतिक गतिविधियों के केन्द्र के रूप में उभारता है। कोविड-19 के कारण कार्य प्रभावित हुआ तथा वित्त वर्ष 2021-22 में शुरू किया जाएगा।

3.12.3 एम्स में फव्वारे के निर्माण के संबंध में सिविल कार्य पूरा हो गया है तथा मार्च 2021 के अंत तक इसका संचालन किया जाएगा। नेहरू पार्क का फव्वारा भी संस्थापित कर दिया है तथा जाचँ की जा रही है। लोदी गार्डन लेक के चार फव्वारे तथा नेहरू पार्क, विनय मार्ग का फव्वारा भी संस्थापित किया गया है।

3.13 ग्रीन वेस्ट की सांइटिफिक कम्पोस्टिंग

गुरूद्वारा नर्सरी, मधुलिमय मार्ग तथा कवर्ड नाला के निकट पिलंजी गाँव के पीछे एवं संजय झील पर दो कम्पोस्टिंग पिट्स का कार्य पूरा हो गया है।

3.14 पुन: मैं एक स्मार्ट सिटी के रूप में न.दि.न.परिषद् की गरिमा को बढ़ाने के लिए नई परियोजनाओं की शुरूआत करूँगा।

3.14.1 न.दि.न.परिषद् के पार्को तथा ओपन जिम में सिंथेटिक ट्रेक

मॉर्निंग वॉकर्स अक्सर अपने संतुलन खोने या जॉगिंग/गार्डन में टहलते समय अपने घुटनों में चोट लगने की शिकायत करते हैं। न.दि.न.परिषद् ने अपने नागरिकों की आवश्यकताओं को समझते हुए ईपीडीएम आधारित रबर ट्रेक लगाने का निर्णय लिया तथा प्रमुख्ता के आधार पर नेहरू पार्क में वर्तमान कच्चा ट्रेक पर 2.7 कि.मी. जॉगिंग ट्रेक लिया है। यह नागरिकों को विशेषत: चलने और जॉगिंग के लिए ट्रेक का उपयोग करने वाले बुजुर्गों के लिए आरामदायक अनुभव देगा और धूल और प्रदूषण की समस्या को भी समाप्त करेगा। यह कार्य वर्ष 2021-22 के दौरान

पूर्ण हो जाएगा। न.दि.न.परिषद् क्षेत्र में विभिन्न पार्कों में सभी ओपन जिम उपकरणों के आसपास ईपीडीएम फ्लोरिंग बिछाने का भी प्रस्ताव है।

3.14.2 पब्लिक आर्ट

दिल्ली हमेशा से कला और संस्कृति का केन्द्र रहा है। न.दि.न.परिषद् को एक राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र होने के कारण कला की भावना के साथ गुंजायमान होने की भी आवश्यकता है, विशेष रूप से आधुनिक परिवेश में जबकि हमारा देश एक वैश्विक लीडर बनने की ओर अग्रसर है। कला नागरिकों को प्रेरित करने तथा उनकी भावनाओं को सूक्ष्म रूप से बदलने के लिए जानी जाती है। न.दि.न.परिषद् के गोल चौराहे ट्रीमेन्डस विज्युएल के लिए एक प्रमुख स्थान है इनका उपयोग थीम आधारित सार्वजनिक कला और मूर्तियों के प्रदर्शन के लिए किया जा सकता है। मैं **''आर्ट विद हार्ट''** की एक योजना के माध्यम से इन गोल चौराहों का महत्व बढ़ाने का प्रस्ताव रखता हूँ, जिनमें चरणबद्ध पद्धति में ऐसे गोल चौराहों और अन्य प्रमुख स्थानों पर थीम आधारित मूर्तियाँ स्थापित की जाएगी। इसकी शुरूआत के साथ न.दि.न.परिषद् ने ऐसे संस्थापन करने के लिए चार स्थलों की पहचान की है। मैंने अगले वित्त वर्ष 2021-22 में इस योजना के लिए ₹ 2.50 करोड़ की राशि आवंटित की है।

3.14.3 शहर में साइकिल

साइकलिंग अपनी कायाकल्प क्षमताओं के साथ अपने जबरदस्त स्वास्थ्य लाभों के लिए जानी जाती है तथा साथ ही साथ यह आने जाने और आराम करने की भी एक पसंदीदा तरीका रहा है। पश्चिमी देशों में साइकलिंग को सैद्धांतिक रूप में प्रोत्साहित किया गया है। कोविड-19 के बाद शहरों में साइकिल चलाने में वृद्धि हुई है जैसा कि इससे सामाजिक दूरी बनी रहती है। इसके शानदार एवेन्यू सड़कों तथा प्रचुर हरियाली के साथ न.दि.न.परिषद् साइकिल उत्साही, पर्यटकों और लघु यात्रियों के लिए एक आदर्श क्षेत्र है जो पहले से ही स्मार्ट बाइक की सफलता से प्रमाणित है।

न.दि.न.परिषद् स्मार्ट सिटी ने पहले लोधी गार्डन से एक सप्ताह चलने वाली साइकिल राइड का शुभारंभ किया जो भारत के **साइकिल्स4चेंज चैलेंज प्रौग्राम** के भाग के रूप में इंडिया गेट से लोधी कॉलोनी वाया

खान मार्किट तथा लोधी गार्डन को जोड़ते हुए छः किलोमीटर का साइकिल रूट था। न.दि.न.परिषद् के साथ-साथ न.दि.न.परिषद् स्मार्ट सिटी लिमिटिड ने भविष्य में ऐसे और कार्यक्रमों को आयोजित करने की योजना बनाई है ताकि सड़क पर बने चौराहों तथा गोल चौराहों पर अस्थाई/स्थाई रूप से चिन्हित करके साइकिल ट्रेक के बुनियादी ढांचे में परिवर्तन किया जा सके। तद्नुसार, न.दि.न.परिषद् ने साइकिल फ्रेंडली सिटी के रूप में न.दि.न.परिषद् के लिए अवधारणा विकसित करने के लिए स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर नई दिल्ली की सेवाएं प्राप्त की हैं। मैं साइकिल-इन-सिटी के रूप में पहल जारी रखने का प्रस्ताव करता हूँ और यात्रियों द्वारा सुरक्षित साइकिल चलाने के लिए और अधिक स्ट्रेच्स की पहचान करता हूँ। उक्त के लिए स्मार्ट सिटी परियोजना से निधि को प्राप्त किया जाएगा।

4. विश्वसनीय न.दि.न.परिषद्: डिस्कॉम आपरेशन्स

न.दि.न.परिषद् को अपने क्षेत्र में बिजली के वितरण के लिए लाइसेंसी माना जाता है तथा अपने सभी उपभोक्ताओं को 24X7 विश्वसनीय गुणवत्ता की पावर आपूर्ति प्रदान करता है न.दि.न.परिषद् का उद्देश्य अपने उपभोक्ताओं के लिए एक विश्वसनीय तथा जिम्मेदार डिस्कॉम के रूप में उभरना और यह न.दि.न.परिषद् के भीतर एक कुशल, आत्मनिर्भर तथा सक्षम महत्वपूर्ण कार्य इकाई के रूप में आविर्भाव होना है।

राष्ट्रीय नगरपालिका लेखा नियमावली (एनएमएएम) के अनुपालन में न.दि.न.परिषद् की वित्तीय स्थापना पहले से ही एक महत्वपूर्ण कार्य इकाई के रूप में बिजली वितरण संचालन के लिए एक विस्तृत लेखांकन प्रदान करती है तथा नियामक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए बजट में निहित है।

इस वर्ष से, हम एसबीयू के लिए अलग से बजट पेश कर रहें है जो स्पष्ट रूप से एक अलग लागत इकाई के रूप में हमारे परिणाम को दर्शाता है। हम न.दि.न.परिषद् के साथ इसकी दक्षता एवं अंतर संबंध स्थापित करने के लिए आने वाले वर्षो में एसबीयू के लिए एक स्वतंत्र बजट लाने का इरादा रखते है। हमने सभी भौतिक परिसम्पत्तियों और अन्य प्रभारों के विस्तृत लेखांकन तथा सत्यापन के साथ इसके लिए प्रारम्भिक अभ्यास शुरू किया है, जिसे ईडीएसबीयू को जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए। नया बीमांकिक विश्लेषण इस अभ्यास में और सटीकता लाएगा एवं हमारे डिस्कॉम संचालन के स्तर को बढ़ाएगा।

अब, मैं न.दि.न.परिषद् में चल री कई परियोजनाओं की स्थिति प्रस्तुत करूंगा:

4.1 आईपीडीएस परियोजना

न.दि.न.परिषद् आईपीडीएस परियोजना को लागू कर रहा है जिसके अन्तर्गत अत्याधुनिक ''एडवांस मीटरिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर'' (एएमआई), आईटी एवं स्काडा के साथ मजबूत सब-ट्रान्समिशन और वितरण नेटवर्क का निर्माण आपूर्ति वितरण प्रणाली के कुशल प्रबन्धन के लिए परिकल्पित किया जाता है। उपभोक्ता मीटर के बीच दो तरह से संचार के साथ एडवांस मीटरिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर (एएमआई) है जिसमें आईपी एड्रेस है तथा न.दि.न.परिषद् नियंत्रण केन्द्र का कार्य पूर्ण हो चुका है। एएमआई स्मार्ट ग्रिड का मुख्य घटक है जो रिमोट मीटर रीडिंग, समस्या की पहचान, लोड प्रोफाइलिंग, ऊर्जा ऑडिटिंग संभाव्यता तथा संचार नेटवर्क तथा मीटर डाटा प्रबन्धन के साथ स्मार्ट मीटर से मिलकर बनेगा।

स्मार्ट ऊर्जा मीटर बिजली खपत पर वास्तविक समय डाटा प्रदान करता है तथा उपभोक्ताओं को ऊर्जा के उपयोग के बारे में सूचित विकल्प बनाने की अनुमति देता है जोकि दिन के समय (टाइम आफ डे) में ऊर्जा के मूल्य पर आधारित है।

इस योजना के अन्तर्गत, 58841 डायरेक्ट करन्ट एनर्जी मीटरों दोनो सिंगल फेज तथा थ्री फेज को स्मार्ट मीटर से बदल दिया गया है। तथा एफएमएस के माध्यम से न.दि.न.परिषद् में डाटा प्राप्त किया जा रहा है। 1900 एलटी सीटी स्मार्ट एनर्जी मीटर भी खरीदे गए हैं। एलटी तथा एचटी सीटी मीटर के सशक्तिकरण हेड कार्य प्रगति पर है।

4.2 आठ महत्वपूर्ण 11 केवी सब-स्टेशनों में ऑटो चेंजओवर स्विचिंग प्रणाली

सीपीडब्ल्यूडी द्वारा सेन्ट्रल विस्टा क्षेत्र के पुनर्विकास योजना के कारण परियोजना में काफी बदलाव आया है तथा संशोधित अनुमान तैयार किया जा रहा है। परियोजना वित्तीय वर्ष 2021-22 में पूर्ण हो जाएगी।

4.3 कन्वेंशन सेन्टर में हाई डेफिनेशन मल्टी मिडिया लेजर प्रोजेक्टर की स्थापना

हाई डेफिनेशन मल्टी मिडिया लेजर प्रोजेक्टर कन्वेंशन सेन्टर में अधिक कुशल उपयोग की सुविधा प्रदान करेगा एवं राजस्व में वृद्धि करेगा। निविदा की प्रक्रिया मार्च 2021 तक पूर्ण हो जाएगी।

4.4 एम्स, नई दिल्ली में अतिरिक्त 33 केवी सब स्टेशन तथा चर्च रोड पर जमीन के नीचे नया 33 केवी विद्युत सब स्टेशन

इस परियोजना को सेन्ट्रल विस्टा के पुनर्विकास योजना के कारण काफी संशोधित किया गया है। अब ईएसएस एम्स को तैयार किया जा रहा है। यह कार्य वित्तीय वर्ष 2021-22 में पूर्ण हो जाएगा।

4.5 न.दि.न.परिषद् क्षेत्र के डी/एन एंड डी/एस डिवीजन के अन्तर्गत लेफ्ट आउट झुग्गियों के जे.जे. क्लस्टर में इलेक्ट्रिक कनेक्शन उपलब्ध कराना।

18 जे.जे. क्लस्टर का कार्य पूर्ण हो गया है। शेष कार्य वित्त वर्ष 2021-22 में पूरा हो जाएगा।

4.6 फीडर का फॉल्ट पता लगाने के लिए दो फॉल्ट लोकेटिंग वैन के क्रय हेतु निविदा आमंत्रित की गई तथा यह कार्य मार्च 2021 तक पूरा हो जायेगा।

4.7 न.दि.न.परिषद् क्षेत्र के अंदर तथा बाहर 33 केवी, 3सीX400 वर्ग मी. एम्स एलपीई केबल बिछाने के लिए वार्षिक अनुबंध के संचालन हेतु निविदा आमंत्रित की गई।

4.8 सरोजिनी नगर में जीपीआरए कॉलोनी हेतु डीटीएल के द्वारा 220 केवी विद्युत सब स्टेशन:

सरोजिनी नगर में 220 केवी विद्युत सब स्टेशन के संस्थापन हेतु डीटीएल को एनबीसीसी द्वारा जमीन सौंपी जानी है।

4.9 नेताजी नगर में जीपीआरए कॉलोनी में दो 33 केवी सब-स्टेशन की स्थापना तथा नौरोजी नगर में जीपीआरए कॉलोनी में एक 33 केवी सब-स्टेशन की स्थापना।

नौरोजी नगर और नेताजी नगर में 33 केवी विद्युत सब स्टेशन के लिए निर्मित स्थल का निर्माण एनबीसीसी द्वारा किया जाना है।

4.10 प्रस्तावित एम्स ट्रामा में 33 केवी आपूर्ति प्रदान करने का कार्य पूरा हो गया है।

4.11 सफदरजंग अस्पताल में 33 केवी सब-स्टेशन की स्थापना

सफदरजंग अस्पताल में 33 केवी विद्युत सब-स्टेशन के लिए निर्मित स्थल का निर्माण एनबीसीसी द्वारा किया जाना है।

4.12 कन्वेन्शनल एचपीएसवी स्ट्रीट लाइट का प्रतिस्थापन

14500 खम्बों में एनर्जी एफीशिएंट एलईडी स्ट्रीट लाइट के साथ कन्वेन्शनल एचपीएसवी स्ट्रीट लाइट का प्रतिस्थापन कार्य पूरा हो गया है द्वितीय/तृतीय चरण के अन्तर्गत सीपीडब्ल्यूडी कॉलोलियों तथा पार्क में स्ट्रीट लाइट का शेष कार्य पोल तथा केबल के प्रतिस्थापन कार्य के साथ पूरा किया जाएगा। इसके अतिरिक्त न.दि.न.परिषद् क्षेत्र में संस्थापित सभी 142 हाई मास्ट में एनर्जी एफीशिएंट एलईडी फ्लड्स लाइट का प्रतिस्थापन किया जाएगा। द्वितीय/तृतीय चरण हेतु आवश्यक पोल तथा केबल के प्रतिस्थापन का कार्य जून-2021 में पूरा हो जाएगा।

4.13 राष्ट्रीय एलईडी कार्यक्रम

राष्ट्रीय एलईडी कार्यक्रम के अन्तर्गत न.दि.न.परिषद् ने अपने कार्यालयों तथा मार्किट बिल्डिगों में सभी कन्वेन्शनल सीएफएल, मेटल हेलाइड तथा एचपीएसवी लैपों को एनर्जी एफीशिएंट एलईडी ट्यूब लाइट, पीएलएल/पीएलसी लैंप तथा एलईडी लाइट के साथ प्रतिस्थापित कर दिया है।

4.14 नेशनल सोलर मिशन

नेशनल सोलर मिशन के अन्तर्गत न.दि.न.परिषद् ने सभी नगरपालिका बिल्डिगों में ग्रिड कनैक्टिविटी रूफ टॉप सोलर पीवी प्लांट स्थापित किया है। सोलर पीवी सिस्टम की कुल स्थापित क्षमता 3.2 एमडब्ल्यूपी है। पुनः यह पाया गया कि लेफ्ट आउट स्कूल बिल्डिगों में 0.5 एमडब्ल्यूपी की क्षमता है, जिस पर प्रत्येक स्कूल में 4-5 एमडब्ल्यूपी सोलर प्लांट स्थापित किया जाएगा। निविदा आमंत्रित की गई तथा अनुमोदन हेतु प्रक्रियाधीन है। कार्य मार्च 2021 तक पूरा हो जाएगा।

4.15 एनर्जी एफीशिएन्सी सुनिश्चित करना: पब्लिक ई-चार्जिग स्टेशन

ईवी चार्जिग स्टेशन हेतु 100 स्थलों में से प्रथम चरण के अन्तर्गत ईईएसएल द्वारा 55 पहले ही स्थापित एवं चालू कर दिए है तथा द्वितीय चरण में ईईएसएल द्वारा ईवी चार्जिग स्टेशन हेतु 45 में से 17 स्थापित एवं चालू कर दिए है। 9 स्थलों में स्थापना कार्य पूर्ण हो गया है तथा शीघ्र ही चालू हो जाएगा। शेष 19 स्थलों हेतु (6 प्लाजा स्थलों सहित) कार्य प्रगति पर है।

4.16 कोविड की स्थिति से सबक लेते हुएं, न.दि.न.परिषद् में अपनी विद्युत संरचना की समीक्षा शुरू कर दी है तथा अपनी एसट्स को आधुनिक बनाने के लिए दीर्घकालिक दृष्टि से पहल शुरू कर दी है। अब मैं ऐसे कदमों को सूचीबद्ध करता हूँ;

4.16.1 बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम (बीईएसएस)

न.दि.न.परिषद् ने पीक लोड डिमांड तथा पॉवर फैक्टर में सुधार को पूरा करने के लिए पायलट के रूप में 5 एमडब्ल्यू क्षमता का बैटरी बैंक (बीईएसएस) स्थापित करने का प्रस्ताव रखा है। बैटरी बैंक ग्रिड, ग्रिड फेलियर के दौरान आसपास के क्षेत्र आवश्यक बिजली की आपूर्ति की निरंतरता प्रदान करेगा तथा बेहतर पॉवर प्रोफाइल के रखरखाव हेतु रिएक्टिव पॉवर बनाए रखने हेतु एक उपकरण की भांति कार्य कर सकता है। पीक पॉवर सपोर्ट की पेशकश के लिए बीईएसएस का ऑप्टीमली साइज लोडिंग में कटौती के कारण डिसट्रिब्यूशन इक्विपमेंट तथा ट्रांसमिशन की लाइफ को बढ़ाकर अलग इन्फ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट में सहायता कर सकता है। बैटरी एनर्जी स्टोरेज नेटवर्क में नवीन ऊर्जा उत्पादन स्रोत की परिवर्तनशीलता के परिणामस्वरूप आपूर्ति में बैटरी एनर्जी स्टोरेज, फ्लकचुएशन में संतुलन रखने में मदद करेगा। शेड्यूल्ड पॉवर की कमी या अधिकता के परिणामस्वरूप यूआई पेनेल्टीज, पावर में अवशोषित तथा आपूर्ति में अंतर के द्वारा बैटरी स्टोरेज प्रणाली की मदद से कम अथवा अधिक की जा सकती है। पिंक डिमांड की कमी को कम करके, लोड शेडिंग के परिणामस्वरूप होने वाले नुकसान को कम किया जा सकता हैं, जिससे उपयोगिता की सेवा की विश्वसनीयता में सुधार होगा।

4.16.2 पुराने/अप्रचलित पैनलो का प्रतिस्थापन

इंटीग्रेटेड पावर डेवलपमेंट स्कीम (आईपीडीएस) के अंतर्गत लगभग 1000 पुराने/अप्रचलित एचटी पैनलों के प्रतिस्थापन का कार्य पूर्ण होने के समीप हैं तथा शेष 1100 पैनलों में से, 250 पैनलों का प्रतिस्थापन कार्य भी पूर्ण हो जाएगा तथा शेष पैनल वित्तीय वर्ष 2021-22 में बदले जाएंगे। एचटी पैनलों के प्रतिस्थापन के पश्चात् न केवल पावर सप्लाई की विश्वसनीयता बढ़ाई जाएगी अपितु वितरण घाटे को भी कम करेगा तथा हमारे स्ट्रीम उपभोक्ताओं को निर्बाध पावर सप्लाई प्रदान करने में सक्षम होगा।

4.16.3 बढ़ी हुई पावर उपलब्धता

33 केवी विद्युत सब स्टेशन पुलिस हैडक्वार्टर बिल्डिंग, जय सिंह रोड में 2X20 एमवीए ट्रांसफार्मर के चालू होने के पश्चात् सिस्टम नेटवर्क में हाल ही में 40 एमवीए पावर जोड़ी गई। इसी तरह किदवई नगर (पश्चिमी) में एक ओर 20 एमवीए पावर ट्रांसफार्मर को चालू करने के पश्चात् किदवई नगर (पश्चिम) क्षेत्र में 20 एमवीए अतिरिक्त पावर उपलब्ध हो गई। नेटवर्क में अतिरिक्त पावर के बढ़ने के पश्चात्, क्षेत्र में पावर की गुणवत्ता और विश्वसनीयता में सुधार होगा।

4.16.4 स्मार्ट रैक

न.दि.न.परिषद् का वर्तमान डाटा कंट्रोल रूम, पालिका केन्द्र हैडक्वार्टर बिल्डिंग में 7वां तल पर स्थित हैं। वर्तमान रैक के पारंपरिक पुराने डिजाइन के कारण, नगरपालिका सेवाएं कुछ समय के लिए प्रभावित होती हैं। इसलिए एकीकृत कूलिंग सिस्टम के साथ 6 स्मार्ट रैक क्रय किए जा रहे हैं तथा हाल ही में स्थापित स्टेट ऑफ आर्ट, इंटीग्रेटेड कमांड तथा कंट्रोल डाटा सेन्टर में पहली मंजिल पर स्थापित किए जाएंगे।

4.16.5 एडीएमएस तथा स्काडा सिस्टम

न.दि.न.परिषद् पावर सप्लाई की निगरानी के लिए स्वचालित वितरण प्रबंधन प्रणाली तथा पर्यवेक्षी नियंत्रण तथा डाटा अधिग्रहण प्रणाली को स्थापित करने का प्रस्ताव करता हैं। कार्य, एनर्जी, एफिशेंसी सर्विसिज लिमिटिड को एडीएमएस तथा स्काडा प्रणाली को निष्पादित करने के लिए पावर मंत्रालय के अंतर्गत एक इकाई को सौंपा गया हैं। एडीएमएस तथा स्काडा प्रणाली के कार्यान्वयन के पश्चात्, न.दि.न.परिषद् ग्रिड से उपभोक्ता के आखिरी सिरे तक पावर की आपूर्ति की निगरानी की जाएगी। इससे उपभोक्ताओं को निर्बाध पावर आपूर्ति सेवाओं में और सुधार होगा।

4.16.6 विद्युत्तीय परिसम्पत्तियों की स्थिति का आकलन तथा एनर्जी आडिट

दीर्घकालिक भावी योजना के लिए पूर्ण पैमाने पर विद्युतीय परिसम्पत्तियों तथा वितरण नेटवर्क की स्थिति का आक्लन तथा पूर्ण पैमान पर एनर्जी आडिट वित्तीय वर्ष 2021-22 में किया जाएगा।

वर्ष 2021-22 में, मैं विद्युत विभाग के लिए ₹1236.43 करोड़ आवंटित करने का प्रस्ताव करता हूँ, जिसमें से ₹123.64 करोड़ का पूँजीगत व्यय तथा ₹1112.79 करोड़ का राजस्व व्यय के लिए हैं।

5. विश्वसनीय न.दि.न.परिषद्: सड़क और लेन

आवश्यक गतिशीलता के लिए शहरों द्वारा सड़क एवं कनेक्टिंग लेन आवश्यक बुनियादी ढांचा हैं। न.दि.न.परिषद् ने गुणवत्तापूर्ण सड़क ढांचे का निर्माण किया तथा उन्हें अच्छी तरह से बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है। अब मैं वर्ष 2020-21 के दौरान किए गए मुख्य पुनर्सतहीकरण कार्यों को सूचीबद्ध करूँगा तथा वित्तीय वर्ष 2021-22 में आगे कार्य प्रस्तावित किया जाएगा।

5.1 19 सड़कों के पुनर्सतहीकरण का कार्य पूर्ण हो चुका हैं। सभी 23 चिन्हित सड़कों के पुनर्सतहीकरण का कार्य ₹497 लाख की लागत पर सौंपा गया तथा कार्य पूर्ण हो गया।

5.2 पुनर्सतहीकरण हेतु सभी लेनों तथा उप-लेनों का पुनर्सतहीकरण कार्य पूर्ण हो चुका हैं तथा सड़कों को चिन्हित करने का कार्य पूर्णता की निर्धारित तिथि के भीतर पूर्ण हो जाएगा।

5.3 कोल्ड मिलिंग प्रक्रिया के साथ सड़कों के री-कारपेटिंग का कार्य अर्थात् शांति पथ, अकबर रोड, शाहजहां रोड तथा शेरशाह रोड के पुनर्सतहीकरण हेतु 4.43 करोड़ का प्रारंभिक अनुमान तैयार किया गया। कार्य वर्ष 2021-22 में कार्य शुरू किया जाएगा।

5.4 एसएमए (स्टोन मास्टिक एस्फाल्ट) के माध्यम से परिचालन क्षमता में सुधार हेतु सीआरआरआई की अनुशंसाओं के अनुसार क्यू-प्वाइंट, क्लेरिज होटल, मेथी गोले तथा यार्क प्लेस के गोल चौराहे का कार्य शुरू किया गया। यह कार्य पूर्ण हो चुके हैं। इसके अलावा, रेलवे ब्रिज, शांति पथ, बीएचएस मार्क, अफ्रीका एवेन्यू रोटरी, ब्रिज जी ऐवन्यू, बीएचएस मार्ग तथा लक्ष्मीबाई नगर रोटरी में एसएमए के उपचार का कार्य वर्ष 2021-22 में पूर्ण हो जाएगा। इसके अलावा, थर्मोप्लास्टिक पेंट, सोलर स्टड/रेट्रो रेफ्लैक्टिव स्टड सहित रोटरी तथा टी-जंक्शन पर एसएमए का कार्य भी वर्ष 2021-22 में पूर्ण हो जाएगा।

5.5 दो छोटे इलैक्ट्रिक रोड स्वीपिंग मेशीनों को किराए आधार पर लेने के लिए ₹30.94 करोड़ के विस्तृत अनुमान के साथ निविदा आमंत्रित की गई। इस वित्तीय वर्ष 2020-21 में कार्य सौंपा जाएगा तथा वर्ष 2021-22 में कार्य शुरू किया जाएगा।

5.6 पुनः वित्त वर्ष 2021-22 में निम्नलिखित नए पुनः सतहीकरण कार्यों को किया जाएगा-

(i) अनुमानित लागत रू. 3.16 करोड़ पर वर्तमान सतह के मिंलिग पद्धति द्वारा अशोका रोड तथा फिरोजशाह रोड का पुनः सतहीकरण।

(ii) सीआरआरआई द्वारा आर-। डिवीजन में 12 एवेन्यू रोड तथा आर-V डिविजन में 8 एवेन्यू रोड का पुनः सतहीकरण कार्य सीआरआरआई द्वारा किए गए मूल्यांकन के उपरांत किया जाएगा।

वर्ष 2021-22 में, मैंने सड़कों तथा फुटपाथों के लिए रू. 146.77 करोड़ आवंटित करने का प्रस्ताव किया है जिनमें से रू. 32.88 करोड़ पूंजीगत व्यय तथा रू. 113.89 करोड़ रातस्व व्यय के लिए है।

6. विश्वसनीय न.दि.न.परिषद् जल आपूर्ति

न.दि.न.परिषद् क्षेत्र में लगभग 450 कि.मी. जल आपूर्ति लाईनं हैं जिनमें 50 मि.मी. से 1800 मि.मी. व्यास वाली लाइनें शामिल हैं। न.दि.न.परिषद् ने पूर्व में जल आपूर्ति संरचना में सुधार के लिए कई उपाय किए हैं। पुनः न.दि.न.परिषद् ने नई तकनीक- जैसे एनआरडब्ल्यू (गैर-राजस्व) में कटौती पर केन्द्रित एएमआई वाटर मीटर द्वारा इसे बेहतर बनाने के लिए निरंतर सुधार के प्रयास किए है ताकि इसके निवासियों को निर्बाध जलापर्ति उपलब्ध हो सके।

6.1 एएमआई वाटर मीटर के साथ चौबीस घंटे साफ पानी की आपूर्तिः

न.दि.न.परिषद् के नागरिकों को चौबीस घंटे पानी की आपूर्ति, तथा इस बात की गारंटी के लिए परियोजना शुरू की गई तथा इसे वित्त वर्ष में फस्ट ट्रेक में डाल दिया है। परिषद् ने एकल चरण में समस्त कार्य के निष्पादन हेतु अद्यतने डीपीआर तैयार करने में लिए सलाहकार की नियुक्ति की सहमति दे दी है। इसके साथ ही (पाँच वर्षो के लिए ओ एंड एम सहित) एएमआई वाटर मीटर लगाने के लिए जिसके लिए एएमआरयूटी योजना के अन्तर्गत रू. 30 करोड़ स्वीकृत किए गए, का भी अनुमोदन किया गया । एनआरडब्ल्यू में कटौती की

आपूर्ति जारी है तथा वित्त वर्ष 2020-21 में अंतिम रूप एि जाने की संभावना है। एएमआई वाटर मीटर के संस्थापन हेतु कार्य अगस्त 2021 तक पूरा हो जाएगा।

6.2 मेन लाइन की शिफ्टिंग तथा बी.के. दत्त कॉलोनी के प्रत्येक निवासी को पानी का कनेक्शन:

बी.के. दत्त कॉलोनी के निवासियों द्वारा नए मीटर वाले पानी के कनेक्शन के लिए दस्तावेज जमा करने में छूट के लिए परिषद् ने पूर्व में ही अनुमोदन कर दिया है। फिर भी न्यूनतम अपेक्षित दस्तावेजों के साथ पूरी तरह भरा आवेदन पत्र की प्रतीक्षा है। इसके लिए आरडब्ल्यूए को पूर्व में ही पत्र लिखे जा चुके है। बिजली एवं पानी के बिलों द्वारा रू. 200 प्रतिमाह की वसूली हेतु एक पृथक प्रस्ताव तथा बीके दत्त कॉलोनी (वर्तमान में बिना किसी शुल्क के) के सभी निवासियों को नए पानी के कनेक्शन की तत्काल स्वीकृति पहले से ही प्रक्रियारत है। इस विषय को आरडब्ल्यू के साथ अंतिम रूप दिया जा रहा है।

6.3 ड्रिन्किंग वॉटर फाउंटेन

कोविड की स्थिति को ध्यान में रखते हुए, एक अलग तरह के फव्वारे लगाए जाएंगे, जिसके लिए 39 फव्वारों के लिए अनुमान तैयार किया गया है। कार्य जून-2021 तक सौंपा एवं निष्पादित किया जाएगां

6.4 मिस्ट छिड़काव केनन मशीन

वायु प्रदूषण नियंत्रण के लिए प्रस्तावित मशीनें पूर्व में ही सैन्ट्रल पार्क, कनॉट प्लेस में स्थापित कर दी है तथा सफलतापूर्वक कार्य कर रही है।

6.4.1 जोरबाग वाटर बूस्टिंग स्टेशन से प्रेजिडेंट एस्टेट हेतु 300 मि.मी. व्यास डी.आई. लेन को उपलब्ध कराने तथा बिछाने का कार्य पूरा हो गया है। पुन: लोधी कालोनी पर जल आपूर्ति लाइनों के प्रतिस्थापन का कार्य हाल ही में सौंपा गया तथा प्रगति पर है। स्लूइस वाल्वों के स्थापन का कार्य जून-2021 तक निष्पादित होने की संभावना है।

वर्ष 2021-22 में, मैं जल आपूर्ति प्रबन्धन के लिए ₹166.12 करोड़ आवंटित करना प्रस्तावित करता हूँ जिनमें से ₹7.36 करोड़ पूंजीगत व्यय तथा ₹158.76 करोड़ राजस्व व्यय के लिए है।

7. विश्वसनीय न.दि.न.परिषद्: सीवरेज प्रणाली

न.दि.न.परिषद् क्षेत्र में लगभग 350 कि.मी. सीवर लाइनें हैं और न.दि.न.परिषद् में सबसे पुरानी सीवर लाइन ब्रिटिश काल के दौरान रखी गई थी, जो 80 से 90 साल पुरानी है। इन लाइनों का आकार 150 मि.मी. से 2100 व्यास तक है। पुरानी सीवर लाइनों के पुन:स्थापन हेतु टाटा कंसल्टेंसी को सलाहकार के रूप में नियुक्त किया गया था। इसके अतिरिक्त वर्ष-2011 में आईआईटी दिल्ली द्वारा विशिष्ट सीवर क्षेत्र का स्वतंत्र अध्ययन भी किया गया। उनकी अनुशंसाओं के आधार पर चरणबद्ध पद्धति से सीवर लाइनों के पुन:स्थापन का कार्य शुरू किया गया था।

प्रथम चरण में लगभग 30 कि.मी. सीवर लाइन के पुन:स्थापन का कार्य पूरा हो चुका है। द्वितीय चरण में लगभग 50 कि.मी. लाइनों हेतु पुन:स्थापन का कार्य प्रगति पर है, जिसमें से 20 कि.मी. लाइनों हेतु निविदा प्रक्रिया का कार्य शुरू किया गया है।

अब, मैं न.दि.न.परिषद् क्षेत्र में सीवर संरचना के संवर्धन तथा पुन:स्थापना के लिए न.दि.न.परिषद् द्वारा किए जा रहे कुछ कार्यों की सूची देना चाहूँगा।

7.1 ट्रक चेसिस पर माउंटिग दो प्रेसर जेटिंग मशीनों को 7 साल के लिए किराए पर लिया गया है। इन मशीनों का उपयोग केवल बीएस VI वाहनों के लिए नई मोटर वाहन नीति के अनिवार्य प्रावधान के कारण केवल अक्टूबर-2020 के बाद ही किया जा सकता है।

7.2 टाटा 407/बोलेरो पर लगी 3 सीएनजी हाई प्रेशर जेटिंग कम सीवर सक्शन मशीनों को 03 वर्षों के लिए किराये पर लेने का कार्य फरवरी-2021 तक सौंपे जाने की उम्मीद है तथा मार्च 2021 तक कार्य आरंभ होना आशयित है तथा कार्य पूरे वर्ष 2021-22 तक जारी रहेगा।

7.3 एन.पी. बंगाली स्कूल में विद्यमान एसटीपी का 07 वर्षों के लिए परिचालन एवं रखरखाव हेतु निविदा प्राप्त की गई एवं अनुमोदन के अधीन है।

7.4 अशोका रोड से निर्वाचन सदन से सी-हैक्सागन तक 1100 एवं 1200 एमएम की तथा ब्रिगेडियर होशियार सिंह मार्ग पर कुशक नाला से अरबिन्दो मार्ग तक 1905 व्यास की ब्रिक बैरल का पुन:स्थापन एवं गाद हटाने के कार्य हेतु परामर्शदाता की नियुक्ति की गई है निष्पादन के लिए मुख्य कार्य हेतु निविदा को जनवरी-2021 तक मंगाया जाएगा। निष्पादन समय 18 मास होगा। अक्टूबर 2022 तक कार्य पूर्ण होना आशयित है।

7.5 के.जी. मार्ग, सी-हैक्सागन तथा शाहजहां रोड से क्यू प्वाइंट पार्ट-1 से सी-हैक्सागन से क्यू प्वाइंट तक शाहजहां रोड की 84' ब्रिक बैरल सीवर लाइन का पुन:स्थापन तथा गाद हटाने का कार्य पूर्ण हो चुका है।

7.6 पिछले वर्ष 2020-21 के दौरान किए जाने वाले प्रस्तावित सीवरेज नेटवर्क के पुन:स्थापन के विभिन्न कार्यों की स्थिति इस प्रकार हैं:

7.6.1 मै0 टीटीआई को जाकिर हुसैन मार्ग से सी-हैक्सागन से लोधी रोड तक गोल्फ कोर्स-सुब्रमण्यम भारती मार्ग से 2100 एमएम व्यास ''एनपी-2 क्लास'' आरसीसी पाइप की पुरानी सीवर ट्वीन बैरल का पुन:स्थापन तथा गाद हटाने का परामर्श कार्य सौंपा गया। परामर्शदाता उचित सर्वेक्षण आदि के बाद जनवरी-2021 के अंत तक सभी विवरणों तथा डीपीआर को प्रस्तुत करेगा। डीपीआर की स्वीकृति के बाद निष्पादन हेतु मुख्य कार्य के लिए निविदाओं को मार्च-2021 तक मंगाया जाएगा। निष्पादना समय 12 मास होगा।

7.6.2 न.दि.न.परिषद् क्षेत्र के अपशिष्ट उपचार संयंत्र का निर्माण, आधारिक संरचना, धोबी घाटों पर ईटीपी 20 केएलडी से 70 केएलडी (5 नग) को स्थापित कर अतिरिक्त जल संसाधनों को विकसित करने के लिए हाइब्रिड एन्यूटी प्रोजेक्ट हेतु निविदा आमंत्रित की गई है तथा कार्य को फरवरी 2021 सौंपा जाना आशयित है तथा जून 2021 तक पूर्ण हो जाएगा।

7.6.3 न.दि.न.परिषद् क्षेत्र में विभिन्न स्थानों पर 50 केएलडी टीटीपी के साथ एसटीपी के 100 केएलडी से 200 केएलडी (4 नग), आधारिक संरचना (एसटीपी/टीटीपी का निर्माण) को स्थापित कर अतिरिक्त जल संसाधनों को विकसित करने के लिए सार्वजनिक निजी भागीदारी (पीपीपी) परियोजना के अंतर्गत कार्य मई 2022 तक पूर्ण हो जाएगा।

7.6.4 एआरडी कॉम्पलैक्स से पालिका भवन नेताजी नगर सीवर लाइन को बदलने का कार्य जनवरी 2021 तक पूर्ण होने की उम्मीद है।

7.7 अब मैं वर्ष 2021-22 में किए जाने वाले प्रस्तावित सीवरेज नेटवर्क के पुन:स्थापन के नए कार्यों को प्रस्तुत करूँगा:-

7.7.1 सरदार पटेल मार्ग से शांतिपथ से सत्य सदन वाया कौटिल्य मार्ग, मधुलिमये मार्ग तथा कुशक नाला (चरण-।।। के अंतर्गत) से 450

एमएम व्यास एनपी-2 क्लास आरसीसी पाइप सीवर लाइन का क्योरड इन प्लेस पाइप (सीआईपीपी) पद्धति द्वारा पुनः स्थापन एवं गाद हटाना।

7.7.2 शांतिपथ वाया पंचशील मार्ग (चरण-।।। के अंतर्गत) से 990 एमएम से 1193 एमएम व्यास की सीवर लाइन का क्योरड इन प्लेस पाइप (सीआईपीपी) पद्धति द्वारा पुनः स्थापन एवं गाद हटाना।

7.7.3 टेलीग्राफ लेन से कस्तूरबा गाँधी मार्ग वाया माधव राव सिंधिया मार्ग तक विद्यमान 600 एमएम व्यास आरसीसी सीवर का क्योरड इन प्लेस पाइप (सीआईपीपी) पद्धति द्वारा पुनःस्थापन।

वर्ष 2021-22 में, मैंने 167.90 करोड़ की राशि सीवरेज प्रबन्धन को आवंटित करने का प्रस्ताव रखा है जिसमें से 68.78 करोड़ पूंजीगत व्यय तथा 99.12 करोड़ राजस्व व्यय की ओर है।

8. विश्वसनीय न.दि.न.परिषद्: जल निकासी प्रणाली

8.1 आधुनिक शहरों में, मानसून के मौसम के दौरान न केवल रिसाव, जल भराव, बाढ़ से बचने के लिए पानी निकालना आवश्यक है किन्तु ब्लू-ग्रीन इन्फ्रास्ट्रक्चर की अवधारणा के अंतर्गत विभिन्न उपयोगों के लिए ऐसे पानी का तर्कसंगत रूप से उपयोग करना भी आवश्यक है। नियमित अंतराल पर जल निकासी प्रणाली का पुनःस्थापन अनिवार्य रूप से आवश्यक है।

8.2 न.दि.न.परिषद् क्षेत्र में 14 जल निकासी प्रणाली हैं जिसमें से 53 कि.मी. मुख्य जल निकासी प्रणाली का आकार 600 एमएम से 2057 एमएम तथा भूमिगत जल निकासी लाइन की लम्बाई लगभग 270 कि.मी. आकार 450 एमएम से 900 एमएम है। न.दि.न.परिषद् क्षेत्र में सबसे पुरानी जल निकासी लाइन ब्रिटिश काल में 80 से 90 वर्ष पूर्व बिछाई गई थी। बिछाये जाने के बाद से पुनःस्थापन कार्य नहीं किया गया है जिसके परिणामस्वरूप प्रत्येक वर्ष मानसून की अवधि के दौरान जल निकासी प्रणाली/बैरल के निपटान के कई मामले सामने आते हैं। इस कारण न.दि.न.परिषद् क्षेत्र में ट्रैफिक असुविधा के कई उदाहरण हैं।

8.3 इस जरूरत का संज्ञान लेते हुए, वर्ष 2021-22 में 14 जल निकासी प्रणाली के पुनः स्थापन के लिए परामर्शदाता नियुक्त किया जाएगा। परामर्शदाता से रिपोर्ट की प्राप्ति के पश्चात्, पुनः स्थापन का प्रस्ताव चरणबद्ध तरीके से बनाया जाएगा।

8.4 इस बीच न.दि.न.परिषद् वित्तीय वर्ष 2021-22 में निम्नलिखित जल-निकासी सुधार कार्य करेगी:-

(i) बाराखम्बा रोड, तिलक लेन तथा भाई वीर सिंह मार्ग तथा अन्य सड़कों पर विद्यमान जल-निकासी पद्धति का पुनः स्थापन कार्य वर्ष 2021-22 में किया जाएगा।

(ii) शनि मंदिर से पिलंजी गाँव तक एचएस रोड पर विद्यमान मुख्य जल-निकासी पद्धति को स्थानान्तरित किया जाना प्रस्तावित हैं, जिसके लिए ₹1.38 लाख की राशि का प्रारंभिक अनुमान सक्षम प्राधिकारी से अनुमोदित किया गया।

(iii) गुरूद्वारा एम्स वाई ब्लॉक सरोजिनी नगर के पीछे कवर नाला का क्षतिग्रस्त हिस्सा के लिए ₹1.62 करोड़ की लागत प्रस्तावित हैं।

वर्ष 2021-22 में, मैं जल-निकासी पद्धति में सुधार के लिए ₹6.36 करोड़ आवंटित करने का प्रस्ताव करता हूँ, जिसमें से 4.47 करोड़ का पूँजीगत व्यय तथा ₹1.89 करोड़ का राजस्व व्यय के लिए हैं।

9. मजबूत न.दि.न.परिषद्: बिल्डिंग, ब्रिज तथा शहरी परिसम्पत्तियाँ

सार्वजनिक मांग को पूरा करने, क्षमता का संवर्धन करने तथा विद्यमान क्षमताओं की उपयोगिता को बढ़ाने के लिए सिविल आधारिक संरचना आवश्यक हैं। न.दि.न.परिषद् ने सामाजिक आवश्यकताओं तथा अपने कर्मचारियों के कल्याण के लिए कई संरचनाएँ बनाई हैं। अब मैं वर्ष 2020-21 में किए गए सिविल कार्यों की स्थिति से अवगत कराना चाहूँगा तथा वित्तीय वर्ष 2021-22 के लिए नई परियोजनाओं का प्रस्ताव रखना चाहूँगा।

9.1 अकबर भवन में बहुमंजिली व्यवसायिक कॉम्पलैक्स

अतिरिक्त कार्यालय स्थान के साथ-साथ न.दि.न.परिषद् के राजस्व की मांग को पूरा करने के लिए 4 भूमिगत तल तथा 10 मंजिलों के साथ एक बहुमंजिले कार्यालय कॉम्पलैक्स का निर्माण किया जा रहा हैं। परियोजना परिषद् द्वारा अनुमोदित हैं तथा अग्निशमन विभाग से अनिवार्य अनुमति की प्रतीक्षा कर रहे हैं। कार्य फरवरी-2021 में शुरू होने की संभावना हैं तथा जनवरी-2023 तक पूर्ण हो जाएगां

9.2 न.दि.न.परिषद् स्कूलों में, बॉसकेट बॉल, वॉलीबाल तथा अन्य प्लेइंग कोर्ट बनाना

न.दि.न.परिषद् स्कूलों में बच्चों के समग्र विकास को सुनिश्चित करने के लिए वर्तमान खेल आधारिक संरचना के उन्नयन के लिए 11 स्कूलों पर विचार किया गया जिसमें से 8 का कार्य पूर्ण हो गया हैं। शेष तीन स्थानों पर साइट की उपलब्धता सीमित हैं तद्नुसार समीक्षा की जा रही है।

9.3 यशवंत प्लेस मोमोस मार्किट का बाह्य विकास तथा अग्रभाग का उत्थान

कार्य निविदा के सौंपने के स्तर पर हैं तथा सितम्बर-2021 तक पूर्ण होने की संभावना हैं।

9.4 एकीकृत पारगमन परिवहन आधारिक संरचना-शिवाजी टर्मिनल का पुनर्विकास

एमपीडी- 2021 के प्रावधान के अनुसार न.दि.न.परिषद् एसपीवी के माध्यम से विश्वस्तरीय आधारिक संरचना बनाने के लिए परियोजना को शुरू किया गया था किन्तु निविदा सौंपी न जा सकी। परियोजना को अब दो भूमिगत तल तथा चार ऊपरी मंजिलों के साथ संशोधित किया गया । सभी वैधानिक अनुमति प्राप्त हो गई हैं। निविदा आमंत्रित की गई एवं जांच के अंतर्गत हैं। कार्य, मार्च-2022 तक पूर्ण होने की संभावना है।

9.5 शिवाजी स्टेडियम में हॉकी टर्फ तथा छिड़काव पद्धति को बदलना

विद्यमान टर्फ तथा छिड़काव पद्धति पहले ही अपनी उपयोगिता अवधि पूर्ण कर चुका हैं तथा दिनांक ₹17.11.2018 को गारंटी (7 वर्ष) की समाप्त हो गई हैं। इसलिए, बिटुमिनस कारपेट लेयर के आधार को हटाये बिना विद्यमान टर्फ तथा छिड़काव पद्धति को बदलने का प्रस्ताव तथा एफआईएच से ग्लोबल प्रमाण-पत्र की मांग करते हुए सम्पूर्ण 7 वर्ष की गारंटी अवधि ली गई हैं। कार्य मार्च-2021 को पूर्ण होने की संभावना है।

9.6 लोधी कालोनी के स्कूल ऑफ एक्सीलैंस का पुनः विकास

लोधी रोड पर 05 स्कूल हैं, अर्थात् नगरपालिका सीनियर सैकेण्डरी स्कूल, एन. पी. प्राइमरी स्कूल, एन.पी. नर्सरी स्कूल, नवयुग सीनियर सैकेण्डरी स्कूल तथा नवयुग प्राइमरी स्कूल। एक ही प्लॉट पर स्थित इन 5 स्कूलों में लगभग 2500 विद्यार्थी पढ़ते हैं। इसलिए, लोधी रोड कैम्पस का नवयुग गर्ल्स इंटरनेशनल

स्कूल तथा न.दि.न.परिषद् बॉयज इंटरनेशनल स्कूल को वर्ल्ड क्लास स्कूल ऑफ एक्सीलैंसी के रूप में पुनः विकास करने का निर्णय लिया गया। लोधी रोड स्थित स्कूल ऑफ एक्सीलैंस में आधुनिक सिविल आधारिक संरचना के साथ, सभी आधुनिक डिजिटल शैक्षिक आधारिक संरचना, विश्वस्तरीय खेल आधारिक संरचना वाली खेल सुविधाओं के लिए स्टेट-ऑफ-आर्ट बिल्डिंग होगी। एक बार स्थापित होने के पश्चात्, यह 3000 से अधिक छात्राओं की आवश्यकताओं को पूरा करेगा।

परियोजना का घटक ₹97.92 करोड़ के परिव्यय के साथ अनुमोदित किया गया तथा एक परामर्शदाता की नियुक्ति हो गई है। परियोजना का अब वित्तीय वर्ष 2023-24 में पूर्ण होने का अनुमान है।

9.7 न.दि.न.परिषद् बिल्डिंगों में बरसाती जल संचयन पिट्स का निर्माण

न.दि.न.परिषद्, भारत सरकार द्वारा पानी के संरक्षण के लिए शुरू किए गए जल शक्ति अभियान का एक हिस्सा है। बरसाती जल संचयन प्रणाली को पूर्व में बिल्डिंग परिसरों के साथ-साथ सड़कों के किनारे उपलब्ध कराई गई। प्रारंभिक अनुमानित राशि ₹1.30 करोड़ पर पूर्व में पहचान की गई 13 न.दि.न.परिषद् बिल्डिंगों का कार्य प्रगति पर है तथा वित्त वर्ष 2021-22 में कार्य पूर्ण हो जाएगा।

चाणक्यपुरी, विनय मार्ग, डिप्लोमैटिक एन्क्लेव, मोती बाग तथा लोधी गार्डन, बंगाली मार्किट क्षेत्र, काका नगर एंड तिलक मार्ग पर सी2 फ्लैट्स इत्यादि में सीजीडब्ल्यूबी के साथ परामर्श से 60 बरसाती जल संचयन पिट्स का कार्य सौंपा गया। वर्षा जल का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित करने के लिए कुछ और आरडब्ल्यूएच पिट्स बनाए जाने प्रस्तावित है।

इसके अतिरिक्त, 32 विद्युत सब-स्टेशनों पर बरसाती जल संचयन पिट्स के निर्माण का प्रस्ताव है। कार्य मार्च-2021 तक सौंपने की संभावना है तथा दिसम्बर 2021 तक पूरा हो जाएगा।

9.8 न.दि.न.परिषद् /नवयुग स्कूलों की प्रयोगशालाओं का उन्नयन

न.दि.न.परिषद् सकूलों में प्रयोगशालाओं को बनाने के लिए 'स्टेट-ऑफ-द आर्ट' जिसमें सिविल संरचना, इक्विपेंट फॉर एक्सपेरिमेंट इत्यादि, उच्च गुणवत्ता के होते है, इन प्रयोगशालाओं के उन्नयन की आवश्यकता है। कार्य के लिए निविदा

खोल दी गई है तथा कार्य मई-2021 तक पूरा होने की संभावना है। सिविल कार्य सौंपने के उपरांत जीईएम पोर्टल में फर्नीचर आइटम प्रकाशित की जानी है।

9.9 पालिका बाजार की छत्त पर जल रोधी उपचार तथा पालिका बाजार कॉम्पलैक्स का सुधार तथा उन्नयन

पालिका बाजार शॉपिंग कॉम्पलैक्स भूमिगत तथा बहुत प्रतिष्ठित शॉपिंग काम्पलैक्स है। वाटर प्रूफिंग की आवश्यकता महसूस की गई तथा ₹3.00 करोड़ की अनुमानित लागत है। कोविड-19 महामारी के कारण कार्य में देरी हो रही है तथा इस वित्त वर्ष के अंत तक कार्य पूरा किया जाना है।

9.10 विद्युत भवन कॉम्पलैक्स का सुधार

विद्युत भवन ऑफिस कॉम्पलैक्स के 3 बिल्डिंगों में नवीनीकरण का कार्य किया जा रहा है तथा ₹28.00 करोड़ की लागत के साथ कार्य वित्त वर्ष के अंत तक पूरा होने की संभावना है। बिल्डिंग को प्रवर्तन निदेशालय को किराए पर दिया जायेगा। न.दि.न.परिषद् को बिल्डिंग से किराए की आय प्राप्त होगी।

9.11 मोती बाग में कौशल विकास केन्द्र को निर्माण कार्य प्रगति पर है। मंदिर मार्ग में जेपीएन लाइब्रेरी का कार्य नवम्बर 2021 में शुरू होने की संभावना है तथा यह कार्य अगले वित्तीय वर्ष में पूरा हो जाएगा।

9.12 इन्दिरा विकेतन वर्किंग गर्ल्स हॉस्टल में अतिरिक्त ब्लॉक

निविदाएं आमंत्रित की गई तथा फरवरी-2021 तक कार्य सौंपने की संभावना है। कार्य पूरा होने का समय 12 माह रखा गया है।

9.13 पालिका कर्मचारियों के लिए आवास

अपने कर्मचारियों को आवास प्रदान करने के लिए, न.दि.न.परिषद् विभिन्न प्रकार के आवास का निर्माण कर रहा है, जिस पर कार्य जोरों पर है, जिसमें निम्नलिखित शामिल है:-

9.13.1 पुष्प विहार, साकेत, नई दिल्ली के सेक्टर-VII में टाइप-II के 120 फ्लैटों का निर्माण कार्य।

कार्य निविदा राशि 41.45 करोड़ पर सौंपा गया। कार्य प्रगति पर है तथा जून-2021 तक पूरा हो जाएगा।

9.13.2 पुष्प विहार, साकेत, नई दिल्ली में सेक्टर-VII में टाइप-III के 160 फ्लैटों का निर्माण कार्य।

पुष्प विहार, साकेत, नई दिल्ली में सेक्टर-VII, में 8 स्टोरी के 5 ब्लॉको तथा दो बेसमेंट के साथ टाइप-III के 160 फ्लैटों का निर्माण किया जा रहा है जिसमें प्रत्येक ब्लॉक में एक प्लोट में 4 फ्लैटों के साथ टाइप-III के 32 फ्लैट हैं, यहाँ एक भूमिगत वाटर टैंक, एक डबल स्टोरी सामुदायिक केन्द्र, विद्युत सब-स्टेशन के साथ डबल पाइपिंग सिस्टम का प्रावधान है। कार्य जनवरी-2021 तक सौंपने की संभावना है।

9.13.3 अलीगंज, नई दिल्ली में टाइप- II के 200 फ्लैटों (10 स्टोरी टॉवर) का निर्माण

कार्य प्रगति पर है। सभी चार टावरों पर संरचनात्मक, ईंट एवं प्लास्टर कार्य पूरा हो गया है। इलैक्ट्रिकल तथा अग्नि बचाव कार्यों सहित फ्लोरिंग तथा अन्य फिनिशिंग कार्य जैसे- दरवाजे, खिड़कियाँ, प्लम्बिंग इत्यादि प्रगति पर है। परियोजना मार्च-2021 तक पूरी होने की संभावना है।

9.13.4 कम्पोस्ट प्लांट, ओखला में प्रशासनिक ब्लॉक बिल्डिंग के निर्माण के एक हिस्से के रूप में, पुराने विद्यमान क्षतिग्रस्त/खतरनाक बिल्डिंग को गिराने के उपरांत एक बहुमंजिला इमारत बनाने का प्रस्ताव है। परिषद् द्वारा सर्वेक्षण रिपोर्ट का अनुमोदन किया गया।

9.14 बापू समाज सेवा केन्द्र, पी.के. रोड, नई दिल्ली का पुनर्विकास

इस निविदा को परिषद् के अनुमोदन के अनुसार रद्द कर दिया गया है तथा मार्च-2021 तक सौंपने की संभावना है।

9.15 अब मैं वित्त वर्ष 2021-22 हेतु नये प्रस्ताव बनाना चाहूँगा

9.15.1 न.दि.न.परिषद्, पालिका केन्द्र भवन का नवीनीकरण तथा विकास कार्यः

पालिका केन्द्र भवन नई दिल्ली नगरपालिका परिषद् का मुख्यालय है। इस भवन को अस्सी के दशक की शुरूआत में एक प्रतिष्ठित के रूप में खड़ा किया था तथा इसके बहुत से घटकों को अब नवीकरण की आवश्यकता है। स्थिति का आकलन करने एवं उन्नयन के साथ व्यापक

नवीकरण की सिफारिश करने के लिए एमईपी परामर्शदाता की नियुक्ति करने का प्रस्ताव किया जाता है। कार्य चरणबद्ध तरीके से किया जाना है एवं मार्च–2022 तक पूरा हो जाएगा। 18 महीने पूरा होने के समय के साथ सिविल कार्य की अस्थाई लागत लगभग ₹3 करोड़ होगी।

9.15.2 भूकंपीय प्रभाव के लिए न.दि.न.परिषद् ऊँची इमारतों को सुरक्षित बनाने के लिए रेट्रोफिटिंग कार्य

माननीय उच्च न्यायालय के निर्देशानुसार डब्ल्यूपी(सी)434/2015 टाइटल्ड अर्पित भार्गव एवं अन्य बनाम उत्तरी दिल्ली नगर निगम, न.दि. न.परिषद् ने पहले ही 25 इमारतों की हाई रिस्क बिल्डिंग के रूप में पहचान कर ली है तथा पन्द्रह इमारतों का स्ट्रक्चरल ऑडिट किया गया है। चौदह इमारतों को पहले ही रेट्रोफिट कर दिया है जिसके लिए आवश्यक प्रमाण–पत्र भी प्राप्त कर लिए है। शेष एक इमारत अर्थात् पालिका निकेतन हाउसिंग कॉम्पलैक्स, आर.के. पुरम भी हाई रिस्क है, कार्य प्रगति पर है और जनवरी–2021 तक पूरा हो जाएगा।

इसके अलावा, 10 और इमारतें भी हाई रिस्क श्रेणी में हैं तथा रेट्रोफिटिंग की आवश्यकता है जिसके लिए परामर्शदाता की नियुक्ति प्रक्रियारत है।

9.15.3 पृथ्वीराज रोड मार्किट में हाउसिंग कॉम्पलैक्स का व्यवसायीकरण:

पृथ्वीराज रोड पर न.दि.न.परिषद् कर्मचारियों का आवासीय हाउसिंग कॉम्पलैक्स है। ये आवासीय फ्लैट जीर्ण–शीर्ण अवस्था में हैं तथा अपनी उपयोगी अवधि पूर्ण कर चुके हैं। इसके अलावा, एमपीडी 2021 के अनुसार इस प्लॉट की स्थिति/भूमि का उपयोग सामुदायिक केन्द्र के भीतर आता है। इसलिए इस हाउसिंग कॉम्पलैक्स को गिराने तथा एक नये व्यवसायिक कॉम्पलैक्स का निर्माण करने का प्रस्ताव किया जाता है। विधमान निवासियों को न.दि.न.परिषद् द्वारा बनाए जा रहे नए हाउसिंग कॉम्पलैक्स में स्थानान्तरित करने की आवश्यकता होगी। विस्तृत प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है।

9.15.4 मार्किट कॉम्पलैक्सों का नवीनीकरण:

न.दि.न.परिषद् अपने क्षेत्र में मौजूदा मार्किट कॉम्पलैक्सों के नवीनीकरण की योजना बना रही है। इससे पहले, कॉमनवेल्थ गेम (सीडब्ल्यूसी)

2010 के दौरान इन मार्किट कॉम्पलैक्सों में अग्रभाग का कार्य किया गया था जो तब से फीका और जर्जर हो गया है। अब इसके अग्रभाग का उपचार, उन्नयन का काम तथा बोर्डों, संकेतकों इत्यादि को बदलने का कार्य करने के लिए प्रस्तावित किया जाता है। कार्य वित्तीय वर्ष 2021-22 में किए जाने की संभावना है।

9.15.5 न.दि.न.परिषद् के चार मंजिला हाउसिंग कॉम्पलैक्सों में लिफ्टों की स्थापना

न.दि.न.परिषद् के कई हाउसिंग कॉम्पलैक्स के निवासियों द्वारा समय-समय पर बार-बार इन इमारतों में लिफ्ट लगाने का अनुरोध किया जा रहा है ताकि उनके परिवारों के बुजुर्ग और दिव्यांग सदस्य उनके फ्लैटों तक आसानी से पहुंच सके। इसलिए इन इमारतों में लिफ्टों के लिए प्रावधान करने का प्रस्ताव है। इन इमारतों का व्यवहार्यता तथा सर्वेक्षण वित्तीय वर्ष 2021-22 में किया जाएगा।

9.15.6 वेटरनरी (पशु चिकित्सा) अस्पताल हेतु नया भवनः

न.दि.न.परिषद् वेटरनरी अस्पताल विधमान भवन को आरएमएल अस्पताल के साथ विकसित किए जा रहे प्रस्तावित मल्टी-स्पेशिएलटी अस्पताल के लिए आवंटित किया गया है। इसलिए वेटरनरी अस्पताल को अपने निर्बाध कामकाज के लिए एक नये परिसर की आवश्यकता होगी। साइट की पहचान की गई है और एल एंड डीओ द्वारा भूमि आवंटन की प्रक्रिया चल रही है।

9.15.7 रणजीत सिंह फ्लाईओवर की मरम्मत

रणजीत सिंह फ्लाईओवर पर मरम्मत कार्य वर्ष 1999-2000 के दौरान किया गया था तथा इसकी मरम्मत का कार्य वर्ष 2014 से विलम्बित है। सीआरआरआई ने परामर्शदाता के रूप में अपनी रिपोर्ट सौंप दी है, जिसके आधार पर मरम्मत कार्य प्रगति पर है। वित्तीय वर्ष 2021-22 में कार्य पूरा हो जाएगा।

10. स्वस्थ न.दि.न.परिषद्: चिकित्सा सेवाएं

10.1 न.दि.न.परिषद् में परंपरागत विद्या आयुष का लाभ

10.1.1 न.दि.न.परिषद् अपने अस्पतालों तथा डिस्पेंसरियों में स्थापित मजबूत आयुष पर गर्व करता है। 4 लाख से अधिक मरीज सालाना इन सेवाओं का उपयोग कर रहे थे। चालू वर्ष में लॉकडाउन के कारण तथा डिस्पेंसरी कार्य के अतिरिक्त आयुष डाक्टरों की पोस्टिंग कोरोना ड्यूटी में होने के कारण यह संख्या घट गई है।

10.1.2 कोविड-19 महामारी ने पिछले वर्ष घोषित विभिन्न नई सेवाओं को बाधित कर दिया था जैसे कि पीएसओआई क्लब में नए आयुष सेन्टर की स्थापना, धर्म मार्ग में पाइल्स तथा फिस्टुला के उपचार हेतु केशर सूत्र थेरेपि के लिए ऑपरेशन थियेटर, रोटेशन आधार पर वृद्धाश्रमों हेतु पालिका प्रसूति अस्पताल, मोबाइल डिस्पेंसरी में होम्योपैथिक यूनिट इत्यादि। यह सभी कार्य माहामारी की स्थिति में सुधार की शर्त पर अगले वित्त वर्ष 2021-22 में शुरू किये जाएंगे।

10.1.3 आयुष मंत्रालय के सहयोग से अनुसंधान केन्द्र के साथ 50 बिस्तर वाले आयुष अस्पताल की स्थापना हेतु 30,000 वर्ग मीटर का एक भूखण्ड का आवंटन किया गया जिसमें एनबीसीसी कार्य करेगा।

10.2 न.दि.न.परिषद् वित्त वर्ष 2021-22 में **परिषद् स्कूलों तथा वृद्धाश्रमों में घर घर जाकर एक नया कार्यक्रम आयुष** की शुरूआत करेगा। आयुष उपचार बीमारियों का बचाव करता है विशेषत: बुजुर्गो तथा बच्चों के लिए अनुकूल है। न.दि.न.परिषद् में काम करने वाले आयुष चिकित्सक परिषद् स्कूलों और वृद्धाश्रमों में प्रतिदिन कम से कम एक घंटा रोटेशन के आधार पर जाएंगे तथा विशेष उपचार का सुझाव देंगे उन्हें सामूहिक चर्चा तथा संवादात्मक वार्ता के माध्यम से नियमित आधार पर प्रत्येक आयुष प्रणाली के लाभों के बारे में शिक्षित एवं जागरूक किया जाएगा। वे न.दि.न.परिषद् के नजदीकी औषधालयों से दवायें प्राप्त कर सकतें है।

10.3 आधुनिक स्वस्थ्य प्रणाली चिकित्सा सेवाओं तथा जन स्वास्थ्य का लाभ उठाना

चिकित्सा सेवा विभाग में दो प्रमुख अस्पताल, चरक पालिका अस्पताल, मोती बाग (156 बिस्तर) तथा पालिका प्रसूति अस्पताल (65 बिस्तर), 13 एलोपैथिक डिसपेंसरी, एक चेस्ट क्लीनिक, एक डेन्टल क्लीनिक, सात एमसीडब्ल्यू सेंटर तथा आठ स्कूल हेल्थ जोन हैं। इसके अतिरिक्त न.दि.न.परिषद् एक्सरे, ईसीजी, तथा लैब सुविधा के साथ दो एम्बुलेन्सो सहित मोबाइल वेनो के

एक सेट का परिचालन कर रही है। चिकित्सा सेवा विभाग द्वारा चरक पालिका अस्पताल में एक्सरे, अल्ट्रासाउंड, ईको तथा लेबोरेटरी टेस्ट के अलावा अधिकतर सेवाओं को निशुल्क प्रदान किया जाता है। ये जाँच मामूली शुल्क पर की जाती है।

10.4 अब मैं पिछले साल अर्थात 2020-21 में घोषित विभिन्न सेवाओं की स्थिति को अपडेट करूंगा:

(i) चरक पालिका अस्पताल के लिए ऑर्थोस्कोपिक सेट के क्रय हेतु कार्य आदेश जारी कर दिया गया है तथा यह 31 मार्च 2021 से पूर्व उपलब्ध हो जाएगा।

(ii) डिफीब्रिलेटर्स, ईसीजी मशीनों के क्रय हेतु कार्य आदेश जारी किये गए है तथा यह 31 मार्च 2021 से पूर्व उपलब्ध हो जाएगें।

(iii) डिजास्टर वार्ड का निर्माण तथा केजुएलिटि वार्ड के उन्नयन का कार्य ड्राईग के साथ प्रस्ताव हेतु प्रगति पर है।

(iv) एक नया ब्लड स्टोरेज शुरू किया जाना बाकी है जैसा कि कोई स्थान उपलब्ध नहीं है।

(v) लेबोरेट्री प्रणाली को उन्नयित सशक्त बनाने के लिए हॉर्मोनल एसॉय हेतु सीएलआईए मशीन के लिए खरीद को स्थगित कर दिया है।

(vi) जनशक्ति की कमी के कारण माइक्रोबायोलॉजी विभाग को आउटसोर्स किया जाएगा

(vii) एक नया ऑपरेशन थियेटर कॉम्पलेक्स 31 मार्च 2021 से पूर्व कार्यशील हो जाएगा तथा आईसीयू अगले साल से काम करना शुरू कर देगा।

(viii) दिनांक 31 मार्च 2021 से पूर्व हार्मोनिक स्केलपेल की खरीद की जाएगी।

10.4.1 पीडियाट्रिक विभाग: पीडियाट्रिक विभाग द्वितीय तल पर जनवरी 2021 में शुरू हो जाएगा।

10.4.2 नेत्र रोग विभाग: ओटी टेबल तथा कुर्सी 31 मार्च 2021 से पूर्व खरीद ली जाएंगी।

10.4.3 मेडिकल गैस पाइप लाइन सिस्टमः चरक पालिका अस्पताल में मेडिकल गैस पाइप लाइन संस्थापन का कार्य पूरा हो गया है।

10.4.4 टेलीमेडिसिन सुविधा के साथ चरक पालिका अस्पताल में विडियो कॉन्फ्रेंसिंग केन्द्र स्थापित किया गया है।

10.4.5 हड्डी रोग विभाग के लिए एक नया सी-एआरएम का क्रय किया गया है।

10.4.6 चिकित्सा सेवाओं को और बेहतर बनाने के लिए हम नई परियोजनाएं शुरू करने तथा उपकरणों एवं मशीनरी को खरीदने की इच्छा रखते हैं, जो वित्त वर्ष 2021-22 के लिए प्रस्तावित किया जा रहा है।

10.4.7 सीपीएच में ईएनटी विभाग का उन्नयनः ईएनटी विभाग में कान, नाक और गले के रोगों से पीड़ित रोगियों के रोगों का निदान किया जाता है। सीपीएच के विभाग में विभिन्न पैथोलॉजी के कारण सुनने में हुई हानि के अनेक रोगियों को देखा जाता है। कई बुजुर्ग रोगी हेयरिंग लोस के कारण विभाग की सेवाओं का लाभा उठाते हैं जिन्हें श्रवण सहायता से सर्जिकल कोचलेयर इमप्लांट की आवश्यकता होती है। बच्चे तथा व्यस्क भी टोन्सिल्स, नाक की खराबी, डीएनएस इत्यादि सेवाओं का नियमित रूप से लाभ उठाते है। निम्नलिखित उपकरणो से बच्चों, व्यस्को, बुजुर्गों के कष्टों को कम करने में काफी मदद मिलेगी।

(क) ईएनटी सर्जरी के लिए माइक्रोडिब्राइडर सिस्टमः यह उपकरण एफईएसएस (साइनस सर्जरी के साथ फंक्शनल एंडोस्कोपिक) नेज़ल, पोलिप सर्जरी, एडेनोडेक्टॉमी, मैयटाइइ प्रक्रिया और स्टेप्स (आंतरिक कान) प्रक्रिया करने में मदद मिलेगी।

(ख) एकीकृत कैमरा रिकार्डिंग सुविधा के साथ हाई एंड ईएनटी ऑपरेटिंग माइक्रोस्कोपः यह पेन लेस और ब्लड लेस तरीके से मोडिफाइड राडिकल मैटाइटोक्टोमी, ओस्सिकुलोप्लास्टी, स्टेपेडोटॉमिट्क जैसी माइक्रोसॉफ्ट ईएनटी सर्जरी करने में सक्षम करेगा तथा यह विशेष रूप से बुजुर्ग रोगियों को मदद करेगा।

(ग) ईएनटी 4के दस्तावेजीकरण प्रणाली (मोनिटर, कैमरा+लाइट सोर्स+एंडोस्कोप): यह उपकरण ईएनटी सर्जरियों जैसे एफईएसएस, एंडोस्कोपिक डीसीआर, पीडियाट्रिक पॉलिक

प्रक्रियाओं, एपीस्टेक्सिस के नियंत्रण, एंडोस्कोपिक सेप्टोप्लास्टी को संचालित करने में मदद करेगा। यह उपकरण बेहतर विज्युलाइजेशन के साथ बुजुर्गों तथा बच्चों में ईएनटी सर्जरी को ब्लडलेस तरीके से करने में मदद करेगा।

(घ) ईएनटी सर्जरी करने के लिए माइक्रोलारिंजल उपकरण (ईएनटी) (कॉम्पिट सेट) उपकरण।

10.4.8 धर्म मार्ग में दन्त विभाग का उन्नयन

सीबीसीटी – कोन बीम कम्प्यूटरीकृत टोमोग्राफी द्वारा उन्नयन किया जा रहा है जो दन्त विभाग में ऑपरेटिव प्रक्रियाओं को आसान करेगा सीबीसीटी डेन्टल एनाटॉमी तथा रोग निदान प्रक्रिया के बेहतर विज्युलाइजेशन द्वारा पिन प्वाइंटिग निदान द्वारा सहायता करेगा इससे बेहतर परिणामों के साथ दन्त चिकित्सा की बेहतर योजना में सहायता मिलेगी। यह उपकरण बुजुर्ग मरीजों तथा महिलाओं के दांतो को ठीक करने में बहुत सहायता करेगा।

10.4.9 सीपीएच में आपदा प्रबंधन वार्ड: आपदा तैयारी के लिए किसी भी अस्पताल हेतु आपदा प्रबंधन वार्ड का होना अनिवार्य है एनडीएमए द्वारा आपदा प्रबंधन हेतु सीपीएच को एक नोडल अस्पताल के रूप में नामित किया गया है। बड़े पेमाने पर आपदा/दुर्घटना के मामले में सीपीएच उन अस्पतालों में से एक है जहां हताहतों को निकाला जाएगा। सीपीएच में टिलेज तथा प्रबंधन के लिए कर्मचारियों को तैयार करने हेतु नियमित रूप से ट्रेनिंग ड्रिल की जाती है। एक बार वार्ड तैयार हो जाने के बाद यह किसी भी आपदा के प्रबंधन के लिए अस्पताल को तैयार कर सकेगा।

10.4.10 सीपीएच में चिकित्सा स्नातकों के लिए पूर्ण रोटेटिंग इन्टर्नशिप कार्यक्रम की शुरूआत

देश का भविष्य प्रशिक्षित मानव संसाधनों की उपलब्धता पर निर्भर करता है न.दि.न.परिषद् दो अस्पताल पीएमएच तथा सीपीएच चला रहा है, जिनके अनुभवी डॉक्टरों के साथ चिकित्सकीय सुविधाएं काफी हद तक शिक्षण और प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए उपयोग नहीं की जाती है। चिकित्सकीय सुविधाओं और फैकल्टी का उपयोग नए एमबीबीएस स्नातकों के लिए सभी विभागों में पूर्ण रोटेटिंग इन्टर्नशिप प्रशिक्षण प्रदान

करने के लिए किया जाएगा। यह न केवल अस्पताल में उपलब्ध सुविधाओं का उपयोग करेगा बल्कि अस्पताल के चिकित्सा कार्यों के लिए इन्टर्न प्रदान करेगा एवं अस्पतालों में शैक्षणिक वातावरण तैयार करेगा।

10.4.11 पालिका प्रसूति अस्पताल में 24X7 घंटे प्रसूति सेवाएं

पालिका प्रसूति अस्पताल उन मामलों से संबंधित है जो आपातकालीन प्रकृति के होते है हांलाकि सीमित संसाधनों और जनशक्ति के कारण सेवाएं 24X7 आधार पर उपलब्ध नहीं है। न.दि.न.परिषद् महिलाओं की आवश्यकता को पूरा करने के लिए पीएमएच में 24X7 आधार पर रेडियोलॉजी, सोनोग्राफी तथा अन्य सेवाओं को उपलब्ध कराएगा।

11. स्वच्छ एनडीएमसी: जनस्वास्थ्य

11.1 स्वच्छ सर्वेक्षण

न.दि.न.परिषद् सितम्बर 2019 में ओडीएफ++ री-सर्टिफाइड है और इसने इसे बनाए रखा है, इसके अतिरिक्त इस वर्ष न.दि.न.परिषद् एमओयूएचए द्वारा आयोजित किये जा रहे आगामी स्वच्छ सर्वेक्षण में 7 स्टार रेटिंग के लिए कचरा मुक्त शहर में भाग लेने की इच्छा रखता है।

11.2 नो सिंगल यूज प्लास्टिक

न.दि.न.परिषद् ने अपने सभी कार्यालयों में सिंगल यूज प्लास्टिक सामग्री के निषेध को पहले ही लागू कर दिया है। कुछ मार्किटों में 50 माइक्रोन से कम मोटाई के पोलोथिन के उपयोग पर पहले से ही प्रतिबंध लागू कर दिया है। एक बार राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली सरकार द्वारा प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन नियम की अधिसूचना जारी की गई, न.दि.न.परिषद् प्लास्टिक पर पूर्ण प्रतिबंध को लागू करेगी।

न.दि.न.परिषद् ने प्लास्टिक को कम करने तथा मास्क को बड़ावा देने के दोहरे विषय के समाधान हेतु **प्लास्टिक लाओ मास्क पाओ** अभियान भी शुरू किया है।

11.3 कचरा संग्रहण और गृह खाद

कोविड महामारी के कारण न.दि.न.परिषद् क्षेत्र में घर पर खाद बनाने की योजना पूरी तरह से संचालित नहीं हो पायी है।

11.4 सफाई सेवकों का स्वास्थ्य परीक्षण

इस वर्ष भी सफाई सेवको का वार्षिक स्वास्थ्य परीक्षण किया जाएगा। उनकी स्वास्थ्य स्थिति पर नज़र रखने और आवश्यक चिकित्सा सहायता प्रदान करने के लिए सभी सफाई सेवकों की चिकित्सकीय जाँच की जा रही है।

11.5 बिन फ्री सिटी तथा अंडरग्राउंड बिन उपलब्ध कराना

न.दि.न.परिषद् को (स्वच्छ सर्वेक्षण कचरा मुक्त शहर के लिए 5 से 7 स्टार रेंकिंग की आवश्यता अनुसार) बिन फ्री बनाने के लिए चरणबद्ध पद्धति से सभी प्रमुख स्थलों पर अंडरग्राउंड बिन लगाने के लिए जन स्वास्थ्य विभाग प्रस्ताव रखता है। 26 अंडरग्राउंड बिन पहले ही स्थापित किये जा चुके है तथा वित्त वर्ष 2021-22 में 32 और बिन के प्रतिस्थापन की योजना है।

11.6 ऑर्गेनिक वेस्ट कन्वर्टर

दो स्थानों भारती नगर तथा सांगली मेस में ऑर्गेनिक वेस्ट कन्वर्टर का कार्य पूरा हो गया है। आवासीय कॉलोनियों में 9 ऐसे जैविक अपशिष्ट कन्वर्टर्स स्थापित करने के लिए प्रस्ताव अग्रिम चरण में है, जिससे आवासीय कॉलोनियों से ओखला वेस्ट प्रोसेसिंग प्लांट में जैविक/ गीले कचरे को परिवहन करने की अवश्यकता होती है।

11.7 एंटी-मलेरिया, डेंगू तथा चिकनगुनिया यूनिट का सशक्तिकरण

विभाग ने जनस्वास्थ्य विभाग की एंटीमलेरिया यूनिट को सशक्त करने के लिए पीतल से निर्मित 44 स्प्रे मशीनों और 30 बैटरी संचालित प्लास्टिक स्प्रे मशीनों की खरीद की है इन सभी का न.दि.न.परिषद् क्षेत्र में कोविड-19 से बचाव तथा नियंत्रण हेतु भी उपयोग किया जा रहा है। 21 फॉगिंग मशीनों की विभागीय रूप से मरम्मत की गई है।

11.8 संक्रामक रोगों के नियंत्रण का सशक्तिकरण

इस क्षेत्र को एसएआरएस वायरस सहित विशेषत: कोविड-19 जैसे वायरल रोगो तथा बड़ी संख्या में संक्रामक रोगो विशेष रूप से मलेरिया, डेंगू, चिकनगूनिया का खतरा है। विभाग इन बीमारियों को नियंत्रित करने के लिए अपनी

गतिविधियों को सशक्त करने का प्रस्ताव रखता है स्वास्थ्य विभाग उपरोक्त रोगों को नियंत्रित करने के लिए कीटनाशकों के साथ साथ अन्य रासायनों के छिड़काव के लिए 100 और नेप सैक स्प्रेयर्स खरीदने का प्रस्ताव करता है। मार्किटों सहित न.दि.न.परिषद् में सार्वजनिक क्षेत्रों में नियंत्रण/ स्वच्छता के लिए एक वाहन माउंटेड मिस्ट ब्लोअर क्रय किया जाएगा।

वर्ष 2021-22 मैं स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए ₹ 155.70 करोड़ आवंटित करने का प्रस्ताव रखता हूँ जिनमें से ₹ 9.64 करोड़ पूंजीगत व्यय तथा ₹ 146.06 राजस्व व्यय के लिए है।

12. भविष्य के लिए तैयार न.दि.न.परिषद्: शिक्षा

12.1 शिक्षा भविष्य का पासपोर्ट है, जो आज परिश्रम करते हैं वो कल सुनहरा भविष्य देखते है, ज्ञान में निवेश बेहतर ब्याज देता है तथा इसी रणनीति को अपनाते हुए न.दि.न.परिषद् ने उच्चतम् मानकों से अपने शैक्षणिक स्थानों की देखभाल की है। यहां 34 न.दि.न.परिषद् स्कूल (13 सीनियर सैकेण्डरी, 7 सैकेण्डरी, 1 मिडिल, 10 प्राइमरी तथा 3 नर्सरी स्कूल) तथा 11 नवयुग स्कूल (7 सीनियर सैकेण्डरी, 1 सैकेण्डरी तथा 3 प्राइमरी स्कूल) हैं। न.दि.न.परिषद् का विशेष बच्चों के लिए (आंचल स्कूल) एक विशेष स्कूल तथा पढ़ाई बीच में छोड़ने वाली बालिकाओं तथा महिलाओं के लिए एक डे टाइम सैकेण्डरी स्कूल है। न. दि.न.परिषद् 18 क्रेच भी चला रहा है तथा 3 अनुदान सहायता प्राप्त प्राथमिक स्कूलों को अनुदान प्रदान करता है।

12.2 प्रतिमान बदलने की पहल

12.2.1 न.दि.न.परिषद् तकनीकी प्रगति की शुरूआत और सभी स्टेकहोल्डर्स को शामिल करने के माध्यम से शिक्षा को समावेशी बनाने के लिए काम कर रहा है ऐसी पहल जो न.दि.न.परिषद् द्वारा शुरू की गई थी एवं छात्रों के कल्याण के लिए भविष्य में भी निरंतर उपयोग में रहेगी किन्तु उस तक सीमित नहीं:

(।) स्मार्ट क्लासरूम्स: वर्ष 2016 में कक्षा 6 से लेकर 12 तक सभी स्कूलों में स्मार्ट क्लासरूम लाए गए। जिन्होंने एनडीएमसी/नवयुग स्कूलों के शैक्षिणिक वातावरण को बेहतर बनाने में सहायता की है।

(ii) डिजिटल लाइब्रेरी: न.दि.न.परिषद् ने अपने सैकेण्डरी तथा सीनियर सेकेण्डरी स्कूलों में 27 डिजिटल लाइब्रेरी की स्थापना की है।

(iii) अटल/पालिका टिंकरिंग लैब्स:

अभिनव मस्तिष्कों को उत्साहित करने के लिए न.दि.न.परिषद् तहत नवयुग स्कूलों में 5 अटल टिंकरिंग लैब तथा 5 पालिका टिंकरिंग लैब स्थापित किए गए। अन्य 14 पालिका टिंकरिंग लैब 14 सैकेण्डरी तथा सीनियर सैकण्डरी स्कूलों में स्थापित किए जा रहे हैं तथा 31 मार्च 2021 तक स्थापित किए जाएंगे।

(iv) **सूचना कियोस्क:** विद्यार्थियों को आसानी से उपलब्ध होने वाली पुस्तकों, स्कूल कार्यक्रम, इत्यादि सहित जानकारी उपलब्ध कराने के लिए फीडबैक प्रदान करने के लिए, सभी न.दि.न.परिषद् और नवयुग स्कूलों से 62 सूचना कियोस्क स्थापित किए गए है।

(v) **सेनेटरी नेपकीन वेंडिग मशीन:** छात्राओं को व्यक्तिगता स्वच्छता और समग्र कल्याण के लिए, सभी 28 सेकेण्डरी तथा सीनियर सेकेण्डरी न.दि.न.परिषद्/ नवयुग स्कूलों में 29 सेनेटरी नेपकीन वेंडिंग मशीन स्थापित की गई हैं। जिसमें किशोर छात्राओं को मुफ्त कम्पोस्टिबल सेनेटरी पैड प्रदान किए गए है।

(vi) **बायोमैट्रिक अपस्थिति:** सभी न.दि.न.परिषद् स्कूलों को बायोमैट्रिक एटेंडेंस क्रियाविधि से सुसज्जित किया गया है जिसके माध्यम से कर्मचारियों की उपलब्धता सुनिश्चित की गई है।

(vii) न.दि.न.परिषद् की सभी बालवाड़ियों को स्टेट ऑफ-द-आर्ट न. दि.न.परिषद् प्लेवे स्कूलों में अपग्रेड किया गया है, जिसके माध्यम से नई शिक्षा नीति को लागू करने में सहायता होगी जो पूर्व स्कूली शिक्षा पर जोर देता है।

(viii) **लड़कों के लिए फुटबाल एकेडमी:** अंडर 10 गर्ल्स फुटबाल एकेडमी की तर्ज पर हमारे स्कूलों में फुटबाल संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए 10-14 वर्ष से कम उम्र के तीन फुटबाल एकेडमियों की स्थापना की गई है।

(ix) **भाषा लैबः** हमारे स्कूलों में अंग्रेजी भाषा के सुधार के लिए पायलट आधार पर दो स्कूलों में दो भाषा लैब स्थापित की गई है जो सीखने के परिणामों की उपलब्धि के लिए स्कूल पाठ्यक्रम का महत्वपूर्ण घटक है।

(x) **खुले क्षेत्रों में सीसीटीवी कैमरेः** सभी मिडिल, सेकेण्डरी तथा सीनियर सेकेण्डरी स्कूलों में छटी से बारहवीं कक्षा तक की सभी कक्षाओं में सीसीटीवी कैमरे है, विद्यार्थियों की सुरक्षा तथा रक्षा के लिए सभी न.दि.न.परिषद् तथा नवयुग स्कूलों में अब खुले क्षेत्र तथा कोरिडोर में सीसीटीवी कैमरे लगाए गए है।

(xi) **क्यूसीआई के माध्यम से न.दि.न.परिषद्/ नवयुग स्कूलों की गुणवत्ता मूल्यांकन का संचालनः** न.दि.न.परिषद्/ नवयुग स्कूलों के गुणवत्ता मूल्यांकन का संचालन करने के लिए न.दि.न.परिषद् ने वर्ष 2017-18 में क्वालिटी कांउसिल ऑफ इंडिया के साथ मिलकर एक परियोजना शुरू की जोकि स्कूली शिक्षा प्रणाली में उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के लिए छठी से आठवीं कक्षा के छात्रों और शिक्षकों के सीखने के परिणामों का आकलन करने के लिए है।

(xii) **एक्सचेंज प्रोग्रामः** न.दि.न.परिषद् ने अपने छात्रों और शिक्षकों को अपने दृष्टिकोण को व्यापक बनाने के लिए सर्वोत्तम कार्यो और मॉडलों को देखने का अवसर देने के लिए राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर एक एक्सचेंज प्रोग्राम शुरू किया।

(xiii) **न.दि.न.परिषद् ओर नवयुग स्कूलों में छात्रों के लिए सीमा दर्शन कार्यक्रमः** मानव संसाधन एवं विकास मंत्रालय सीमा दर्शन दौरे की तर्ज पर, न.दि.न.परिषद् ने सीमा दर्शन यात्रा आरम्भ की जो वर्ष 2021-22 में जारी रहेगी।

12.3 न.दि.न.परिषद्/ नवयुग स्कूलों में नामांकन में सुधार

उपरोक्त पहलों के परिणामस्वरूप, न.दि.न.परिषद्/ नवयुग स्कूलों में नामांकन में पिछले कुछ वर्षो में प्रभावशाली वृद्धि देखी गई है। वर्ष 2016-17 में न.दि.न. परिषद्/ नवयुग स्कूलों में समग्र नामांकन लगभग 27,500 छात्रों का था, जो वर्ष 2017-18 में लगभग 30,000 छात्र और वर्ष 2018-2019 में 30,300 तक बढ़

गए थे तथा वर्ष 2019-2020 में समान स्तर पर थे। इस वर्ष भी कोविड-19 महामारी के कारण प्रवासगमन के बावजूद नामांकन लगभग30,000 हैं। न.दि.न. परिषद्/ नवयुग स्कूलों में नामांकन अगले वर्ष के दौरान बढ़ने की संभावना हैं।

12.4 कक्षा 10वीं और 12वीं के परिणाम में समग्र सुधार

शैक्षणिक और तकनीकी इन्टरवेंशन, प्रभावी प्रशासन, न.दि.न.परिषद् द्वारा शिक्षा को दी गई प्राथमिकता, के कारण न.दि.न.परिषद् एवं स्कूलों के कक्षा 12वीं में समग्र परिणाम में प्रत्येक वर्ष सुधार हो रहा हैं। वर्ष 2018-19, 2017-18, 2016-17, 2015-16 और 2014-15 में क्रमशः 94.21%, 93.6%, 90.15%, 86.67%, तथा 80.20% की तुलना में वर्ष 2019-20 में कक्षा 12वीं का परिणाम 95.41% था। 10वीं कक्षा में, हम पिछले चार वर्षो से परिणाम को 90% के करीब बनाए हुए हैं। वर्ष 2021-22 का फोकस मिशन 100% है।

12.5 कोविड-19 महामारी के दौरान ऑनलाइन डिजिटल शिक्षा को सशक्त करने हेतु न.दि.न.परिषद् द्वारा किए गए उपायः-

12.5.1 कोविड-19 ने सभी क्षेत्रों विशेषकर पूरे विश्व में शिक्षा प्रणाली में अभूतपूर्व चुनौतियों का सामना किया है। इसने विश्व स्तर पर विद्यार्थियों की शिक्षा को प्रभावित किया है। मार्च 2020 से सम्पूर्ण भारत में स्कूल बंद हैं। यह सुनिश्चित करने के लिए कि स्कूलों को बंद करने से शैक्षणिक नुक्सान न हो, न.दि.न.परिषद् और नवयुग स्कूलों में ग्लोबल ट्रेंड के अनुसार अपनी शिक्षा प्रणाली को जल्दी से तैयार किया गया औरा शैक्षणिक स्तर में बिना कोई विलम्ब किए स्वयं अप्रैल के प्रथम स्पताह से 'स्कूलिंग एट होम टू द लर्नर्स' के अनुसार अपनी शिक्षाा प्रणाली को अनुकूलित किया। संसाधनों की विभिन्न उपलब्धता के साथ मुख्य रूप से समाज के आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों से आने वाले छात्रों को ऑनलाइन शिक्षा देने के लिए निम्नलिखित उपाया किए गए:-

i. 'समकालिक' (सिंक्रोनस) अर्थात् वास्तविक समय में ऑनलाइन शिक्षण-विभिन्न डिजिटल प्लेटफार्मों के माध्यम से जैसे जूम, गूगल मीट, सिस्को वेबेक्स, इत्यादि के माध्यम से सीखने के लिए सभी न.दि.न.परिषद् तथा नवयुग स्कूलों में शिक्षार्थियों को प्रदान किया जा रहा है।

ii. 'अतुल्यकालिक' ('एसिंक्रोनस') गूगल क्लासरूम व्हाट्सएप असाइनमेंट्स के माध्यम से सीखने के दौरान कहीं भी, किसी भी समय, नियमित रूप से फोन या एसएमएस के माध्यम से उन शिक्षार्थियों को संपर्क करें जो वास्तविक समय डिजिटल प्लेटफार्म के माध्यम से कनेक्ट नहीं हो सके।

iii. ऑनलाइन मूल्यांकन- ऑब्जेक्टिव पेपर्स के लिए गूगल फार्मस के द्वारा ऑनलाइन फोर्मेटिव असेसमेंट भी किया जा रहा है तथा ई-मेल या व्हाट्सएप के माध्यम से छोत्रों से प्राप्त वर्णनात्मक पेपर के लिए विभिन्न डिजिटल टूल्स जैसे, कामी एक्सटेंशन-एनोटेशन एप, एडोब एक्रोबेट रीडर, माइक्रोसॉफ्ट एप आदि का उपयोग किया जा रहा है।

iv. समग्र विकास पर ध्यान केन्द्रित करने के लिए सांस्कृतिक और राष्ट्रीय एकता कार्यक्रम, ऑनलाइन योग, ऑनलाइन कला और संगीत, ऑनलाइन पीटीएम का आयोजन ऑनलाइन मोड के माध्यम से किया जा रहा है।

v. ऑनलाइन कर्मचारी बैठके: शिक्षकों को मार्गदर्शन करने, उनसे फीडबैक प्राप्त करने और मुद्दो को हल करने के लिए एचओएस द्वारा साप्ताहिक ऑनलाइन कर्मचारी बैठकें भी आयोजित की जाती हैं।

vi. ऑनलाइन शिक्षक प्रशिक्षण और निगरानी:-

शिक्षकों के सामंजस्य के लिए तथा ऑनलाइन शिक्षा की निगरानी के लिए, विभिन्न डिजिटल प्लेटफार्म के प्रयोग के लिए तथा एमएचआरडी द्वारा जारी दिशा-निर्देशों पर प्रज्ञाता गाइडलाइंस के बारे में जागरुकता देने के लिए न.दि.न.परिषद् में ऑनलाइन प्रशिक्षण देने के लिए एक शैक्षणिक समूह का गठन किया गया।

vii. डीबीटी के माध्यम से वित्तीय सहायता: लॉकडाउन की शुरूआत में, कई छात्रों के माता पिता को आय के नुकसान के कारण कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था, इसलिए 10वीं तथा 12वीं कक्षा के छात्रों को दो महीने के लिए मिड-डे मील भत्ता और इन्टरनेट डाटा पैक शुल्क को न्यूनतम शैक्षणिक हानि

सुनिश्चित करने के लिए उनके खातों में डायरेक्ट बैंक ट्रान्सफर द्वारा प्रदान किया गया था। यह चालू सत्र के शेष महीनों में जारी रखा जाएगा।

viii. एनडीएमसी यूट्यूब चैनल की शुरूआत:

अपने स्वयं के शिक्षकों के माध्यम से किसी भी समय शिक्षा की उपलब्धता को मजबूत करने के लिए, न.दि.न.परिषद् ने क्रमश: अटल आदर्श विद्यालय और नवयुग स्कूलों के शिक्षकों द्वारा दो यूट्यूब चैनल-अटल आदर्श शिक्षा और नवयुग प्रगति शुरू की है, जहां इन सकूलों के शिक्षकों द्वारा तैयार किए गए वीडियों अपलोड किए जा रहे हैं। शिक्षकों की रचनात्मकता को पोषित करने के अलावा, यह पहल न केवल न.दि.न.परिषद् और नवयुग स्कूलों के छात्रों को बल्कि पूरे भारत के सभी सकूलों को श्रेष्ठ शिक्षा प्रदान कर रही हैं। पहले चरण में प्राथमिक कक्षाओं पर ध्यान केन्द्रित है लेकिन धीरे-धीरे सभी कक्षाओं के वीडियो अपलोड किए जाएंगे। अगले शैक्षणिक सत्र के अंत तक नर्सरी से XII तक की सभी कक्षाओं के पूरे पाठ्यक्रम इन यूट्यूब चैनल में वीडियों के रूप में उपलब्ध होंगे।

ix घर पर शिक्षा के लिए दसवीं तथा बारहवीं कक्षा के छात्रों के लिए शैक्षिक सामग्री के साथ प्री-लोडिड टेबलेट्स का वितरण

स्कूलों के बंद होने से बदलती जरूरतों के कारण तथा घर पर ऑनलाइन शिक्षा के लिए लर्नर्स को सुविधा प्रदान करने के लिए जो मुख्य रूप से समाज के आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के है, न.दि.न.परिषद् के शिक्षा विभाग ने 4 स्कूलों में घर पर 10वीं तथा 12वीं कक्षा के छात्रों द्वारा डिजिटल लर्निंग के लिए संबंधित शिक्षा सामग्री जैसे एनसीईआरटी पाठ्य पुस्तकें, सीबीएसई सैम्पल पैपर्स, पिछले वर्ष के बोर्ड प्रश्न पत्र, मॉडल उत्तर पुस्तिकाएं, एप्स जैसे जूम, गूगल मीट, गूगल क्लासरूम, सिस्को वैबएक्स, व्हाट्सएप आदि के साथ प्री लोडिड टेबलेट्स को जारी करने के लिए जल्दी ही पायलट परियोजना को तैयार किया है। दिसम्बर-2020 में शिक्षा विभाग द्वारा छात्रों को जीईएम के माध्यम से खरीदे गए 811 टैबलेट वितरित किए गए।

12.5.2 इन उपायों के परिणामस्वरूप, हम सत्र की शुरूआत में लगभग 60% से ऑनलाइन शिक्षा में औसतन दैनिक उपस्थिति को नवम्बर–2020 तक लगभग 80% तक बढ़ाने में सफल रहे हैं। हालांकि संचार के विभिन्न माध्यमों से 90% से 95% तक अधिकतर छात्र शिक्षकों के साथ नियमित संपर्क में है।

12.6 उपरोक्त उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए, मैं वर्ष 2021–22 के लिए निम्नलिखित प्रस्तावों का प्रस्ताव करता हूँ:–

12.6.1 मैंने पिछले बजट भाषण में बड़ी संख्या में परियोजनाओं की घोषणा की थी, लेकिन कोविड–19 महामारी तथा लॉकडाउन के परिणामस्वरूप इनमें से कुछ पूरी नहीं हो सकी। मैं प्रस्ताव करता हूँ कि निम्नलिखित परियोजनाएं जो पिछले वर्ष घोषित की गई थी, लेकिन शुरू नहीं हो सकी, वर्ष 2021–22 के दौरान की जाएगी:–

i. कक्षा 1 से 5 तक की सभी प्राथमिक कक्षाओं को स्मार्ट कक्षाओं में परिवर्तित किया जाएगा

ii. एसेसमेंट के उद्देश्य से सभी सैकेण्डरी एवं सीनियर सैकेण्डरी स्कूलों में एक टेबलेट आधारित स्मार्ट क्लास स्थापित करना

iii. स्कूलों में ऑडिटोरियम का उन्नयन

iv. विद्यमान 10 अटल/पालिका टिंकरिंग लैब्स के अलावा 14 न.दि.न.परिषद्/नवयुग स्कूलों में 14 पालिका टिंकरिंग लैब्स की स्थापना की जाएगी। 14 पीटीएल, के लिए निविदाएं आमंत्रित की गई है तथा ये लैब्स वर्ष 2021–22 में चालू हो जाएगी।

v. वर्ष 2021–22 में खुले क्षेत्रों में सीसीटीवी कैमरों के साथ सभी न.दि.न.परिषद्/नवयुग स्कूलों में पैनिक बटन स्थापित किया जाएगा।

vi. 10 न.दि.न.परिषद्/नवयुग स्कूलों में एक नेचर बेस्ड क्लासरूम (प्रकृति आधारित) स्थापित किया जाएगा

vii. 5 न.दि.न.परिषद्/नवयुग स्कूलों में पांच साइक्लिंग क्लब स्थापित किए जाएंगे।

viii. वर्ष 2021 में शिक्षकों और छात्रों दोनों के लिए माउंटेन ट्रेकिंग शुरू की जाएगी।

12.7 नई शिक्षा नीति 2020: न.दि.न.परिषद् अनिवार्यता

भारत सरकार ने नई शिक्षा नीति 2020 की घोषणा की है जिसे 2022 तक पूरे देश में लागू किया जाना है। न.दि.न.परिषद् के लिए नई शिक्षा नीति के अनुसार स्कूली प्रणाली का पुनर्गठन और स्वयं को तैयार करने तथा विश्व स्तर के बुनियादी ढांचे, अच्छे शिक्षक छात्र अनुपात, मजबूत पाठ्येत्तर गतिविधियों का लाभ उठाकर आने वाले वर्षो के लिए एक नया चरण बनाने का हाईटाइम है।

21वी सदी की माँगों को पूरा करने के लिए, नई शिक्षा नीति के अनुसार स्कूली प्रणाली का पुनर्गठन करते समय निम्नलिखित क्षेत्रों पर ध्यान देने का प्रस्ताव किया जाता है:-

(i) शिक्षा और प्रौद्योगिकी को एक साथ लाना एवं एक उपयोगी शैक्षिक उपकरण के रूप में प्रौद्योगिकी का उपयोग करना

(ii) क्षमता निर्माण के लिए गहन शिक्षक प्रशिक्षण

(iii) स्कूल के बुनियादी ढांचे में सुधार

(iv) व्यवसायिक कौशल प्रदान करना

(v) शारीरिक शिक्षा और योगा के माध्यम से स्वास्थ्य में सुधार

(vi) सभी बच्चों के लिए श्रेष्ठ तथा गतिविधि आधारित शिक्षा सुनिश्चित करना

(vii) शिक्षा के साथ कला को एकीकृत करना

(viii) योग्यता आधारित शिक्षा पर ध्यान देना

(ix) गहन सोच, समस्या को सुलझाना, रचनात्मकता तथा डिजिटल साक्षरता सहित छात्रों के बीच '21वी सदी के कौशल' को विकसित करना

12.8 नई शिक्षा नीति 2020 के लिए योजना एवं तैयारी

12.8.1 भारत सरकार ने नई शिक्षा नीति की घोषणा की है और इसे वर्ष 2022 तक लागू किया जाएगा। नई नीति का लक्ष्य वर्ष 2030 तक स्कूली शिक्षा में 100 प्रतिशत सकल नामांकन अनुपात (ग्रॉस एनरोलमेन्ट रेशों) के साथ प्री-स्कूल से लेकर सैकेण्डरी स्तर तक शिक्षा के सार्वभौमिकरण है। नीति में परिकल्पना की गई है कि स्कूली शिक्षा में मौजूदा 10+2 संरचना को नई शैक्षणिक तथा पाठ्यक्रम पुनर्गठन की 5+3+3+4 कवरिंग आयु 3-18 के साथ संशोधित किया जाएगा। इसमें 12 वर्ष की स्कूली शिक्षा और तीन वर्ष की आंगनवाड़ी व प्री-स्कूलिंग शामिल होगी।

12.8.2 सभी छात्र ग्रेड 3, 5 तथा 8 में स्कूल परीक्षा देंगे जोकि उपयुक्त प्राधिकारी द्वारा आयेाजित की जाएगी। ग्रेड 10 तथा 12 के लिए बोर्ड परीक्षा जारी रखी जाएगी, लेकिन उद्देश्य के रूप में समग्र विकास के साथ बदल दिया।

शिक्षकों को शैक्षणिक पहलुओं को चुनने में अधिक स्वायत्तता दी जाएगी, ताकि वे अपनी कक्षाओं में छात्रों को सबसे प्रभावी तरीके से पढ़ा सके।

अध्यापक सोशियो - इमोश्नल लर्निंग - अ क्रिटिकल आस्पेक्ट ऑफ एनी स्टूडेंट्स होलीस्टिक डेवलपमेंट पर भी ध्यान देगें।

12.8.3 नीति ने समाज के विभिन्न स्तरों और शिक्षकों के निरंतर व्यावसायिक विकास के बीच सीखने की खाई को पाटने के लिए वैश्विक प्रवृति को अपनाते हुए पाठ्यक्रम में बदलाव पर जोर दिया।

12.8.4 न.दि.न.परिषद् में शिक्षक संसाधन केन्द्र का गठन करना

इस प्रकार नई शिक्षा नीति के दृष्टिकोण और मिशन को प्राप्त करने के लिए शिक्षा में नवीनतम रूझानों के साथ विद्यालय प्रमुख और शिक्षकों को प्रशिक्षित करना आवश्यक हो जाता है। मैं इसलिए शिक्षकों के सतत् व्यावसायिक विकास (सीडीपी) के लिए न.दि.न.परिषद् में एक **'शिक्षक संसाधन केन्द्र'** विकसित करने का प्रस्ताव करता हूँ। इस संसाधन केन्द्र के माध्यम से, शिक्षकों को स्व-सुधार के लिए और अपने व्यवसायों में नवीनतम नवाचारों तथा आगामी तकनीकों को सीखने के लिए निरन्तर अवसर दिये जायेंगे। नई शिक्षा नीति के लिए तैयार रहने के लिए, नीति में उल्लिखित प्रशिक्षण कार्यक्रम और प्रशिक्षण माड्यूल एनसीईआरटी जैसे प्रमुख संस्थानों के सहयोग से प्रस्तावित शिक्षक संसाधन केन्द्र में आयोजित किए जाएंगे।

12.8.5 सभी प्राथमिक विंग में गतिविधि केन्द्रो की स्थापना:

नई शिक्षा नीति में 10+2 प्रणाली की मौजूदा नीति के स्थान पर 5+3+3+4 के पुनर्गठन पाठ्यक्रम को शुरू करके 3 से 6 वर्ष की आयु के बच्चों को शामिल करने की परिकल्पना की गई है। स्वस्थ मस्तिष्क के विकास और वृद्धि को सुनिश्चित करने के लिए प्रारंभिक वर्षो में मस्तिष्क की अचित देखभाल और उत्तेजना के महत्वपूर्ण महत्व को इंगित करते हुए, 6 वर्ष की आयु से पहले बच्चे के संचयी मस्तिष्क का 85% से अधिक विकास होता है। यह परिकल्पना की गई है। कि 5 वर्ष की आयु से पहले हर बच्चा एक ''प्रारंभिक कक्षा'' या 'बाल वाटिका' में चला जाएगा। इसे देखते हुए यह प्रस्तावित है कि सभी न.दि.न.परिषद् स्कूलों तथा नवयुग स्कूलों में **'एक्टीविटी सेंटर'** खोले जायेगे। यह केन्द्र बालवाटिका के साथ-साथ प्राथमिक कक्षाओं की आवश्यकताओं को पूरा करेंगे। नाटक आधारित और गतिविधि आधारित पाठ्यक्रम द्वारा भाषा कौशल और शिक्षण के विकास पर ध्यान केन्द्रित किया जाएगा।

12.8.6 बैग-लेस प्री-प्राइमरी तथा प्राइमरी क्लासरूम का परिचय

नई शिक्षा नीति के अन्तर्गत, बच्चे को प्राथमिक और प्राथमिक कक्षाओं में बच्चे के संज्ञानात्मक विकास के अनुसार खेलने, खोज और गतिविधि आधारित और इंटरैक्टिव कक्षा सीखने पर ध्यान केन्द्रित करना होगा। इसलिए मैं सभी नवयुग स्कूलों **में बैग-लेस प्री-प्राइमरी तथा प्राइमरी क्लासरूम** का प्रस्ताव करता हूँ।

इस योजना के अन्तर्गत सभी बालवाटिका और प्राथमिक छात्रों को निशुल्क किताबें प्रदान की जायेगी और नवयुग स्कूलों के सभी प्राथमिक विगों के अनुसार बुनियादी ढांचे को भी उन्नत किया जाएगा।

12.9 अब मैं हमारे स्कूलों में शैक्षणिक उत्कृष्टता प्राप्त करने, स्कूल की संरचना को आगे बढ़ाने और सशक्त करने तथा न.दि.न.परिषद् स्कूलों के शैक्षणिक वातावरण में सुधार के लिए वर्ष 2021-22 के दौरान किये जाने वाले कुछ प्रयासों को प्रस्तावित करना चाहूँगा, ये है:

12.9.1 मेधावी छात्रों को नकद पुरस्कार

न.दि.न.परिषद्/ नवयुग स्कूलों में अधिकांश छात्र समाज के अर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के हैं और इस प्रकार बुनियादी संसाधनों से भी बंचित

है। मेधावी छात्रों को अपने शैक्षिक सपनों को पूरा करने के लिए उच्च अध्ययन जारी रखने के लिए प्रोत्साहन हेतु, नकद पुरस्कार एक बड़ी मदद हो सकती है। मैं कक्षा 10वीं और 12वीं बोर्ड परीक्षा में शीर्ष 10 उच्चतम स्कोर करने वाले छात्रों में से प्रत्येक को ₹ 10,000 नकद पुरस्कार प्रदान करने का प्रस्ताव करता हूँ। इन मेधावी छात्रों और उनके शिक्षकों को उच्च लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए अन्य छात्रों को प्रेरित करने के लिए पुरस्कार समारोहों में सम्मानित किया जाएगा। यह योजना स्थायी आधार पर चलेगी तथा 'पालिका प्रतिभा पुरस्कार' के रूप में जानी जाएगी।

12.9.2 न.दि.न.परिषद्/ नवयुग स्कूलों में कम्प्यूटर लैब्स का उन्नयन

नई शिक्षा नीति के अनुसार डिजिटल शिक्षाशास्त्र का उपयोग करने पर ध्यान केन्द्रित किया गया है। सभी न.दि.न.परिषद् तथा नवयुग स्कूलों में कम्प्यूटर लेब्स हैं लेकिन इन लैब में पुरानी पीढ़ी के कम्प्यूटर हैं, जो बहुत समय पहले खरीदे गए थे। इन कम्प्यूटर लैब्स का उपयोग न केवल छात्रों में सॉफ्ट स्किल्स को विकसित करने के लिए किया जाता है बल्कि ऑडियों और वीडियों सिस्टम के माध्यम से भाषा और ध्वनि-कला कौशल विकसित करने के लिए विशेष सॉफ्टवेयर के माध्यम से लैग्वेंज लैब्स के रूप में भी एकीकृत किया जाता है। इस प्रकार यह आवश्यक हो जाता है कि कम्प्यूटर लैब्स को नई पीढ़ी के कम्प्यूटरों के साथ नवीनतम सॉफ्टवेयर के लिए अपग्रेड किय जाए। इसलिए मैं आगामी सत्र में नई पीढ़ी के कम्प्यूटरों के साथ सभी कम्प्यूटर लैबों को अपग्रेड करने का प्रस्ताव करता हूँ।

12.9.3 नवयुग स्कूलों की प्राइमरी विंग हेतु नए कम्प्यूटर लैब्स

डिजिटल शिक्षा पर ध्यान केन्द्रित करते हुए, यह महत्वपूर्ण है कि सीखने वाले को कम उम्र में ही कम्प्यूटर कौशल के बारे में बताया जाए। इसलिए मैं प्रस्तावित करता हूँ कि सभी 11 नवयुग स्कूलों की प्राथमिक विंग में नये कम्प्यूटर लैब स्थापित किये जाए। ये न.दि.न.परिषद् के प्रमुख स्कूल होने के कारण, शिक्षार्थी प्राथमिक स्तर पर एचटीएमएल, ग्राफिक डिजांइनिग इत्यादि हेतु कोडिंग कार्यक्रम सीख सकते है।

सभी 11 नवयुग स्कूलों को पूर्ण एचडी प्रोजेक्टर भी प्रदान किए जाएंगे।

12.9.4 स्कूलों का उन्नयनः- न.दि.न.परिषद्/नवयुग स्कूलों में पिछले तीन वर्षों के दौरान प्रभावशाली वृद्धि देखी गई है। इस वर्ष भी नामांकन लगभग 30,000 हैं। एक न.दि.न.परिषद् स्कूल हनुमान लेन में स्थित मिडल सकूल है, तथा पंडारा रोड स्थित 1 नवयुग सकूल सैकेण्डरी स्कूल हैं। मिडल सकूल, हनुमान लेन तथा नवयुग सैकेण्डरी सकूल पंडारा रोड से विद्यार्थियों को अपनी शिक्षा जारी रखने के लिए अन्य सीनियर स्कूलों में स्थानान्तरित करने की आवश्यकता है। इस स्थानान्तरण के परिणामस्वरूप, इन विद्यार्थियों को असुविधा के कारण लम्बी दूरी की यात्रा करनी पड़ेगी। इसलिए, मैं हनुमान लेन में स्थित न.दि.न.परिषद मिडल स्कूल से सैकेण्डरी स्कूल को सीनियर सैकेण्डरी स्कूल में उन्नयन का प्रस्ताव रखता हूँ। वर्ष 2021-22 में इन स्कूलों के उन्नयन हेतु आवश्यक आधारिक संरचना तथा मानव संसाधन उपलब्ध कराए जाएंगे।

12.9.5 न.दि.न.परिषद्/नवयुग स्कूलों में साइंस पार्कः-

साइंस पार्क वैश्विक 'ज्ञान' की आध्यात्मिक संरचना के घटक हैं। साइंस पार्क साइंस सिद्धांतों के पेचीदा विश्व को पीस ऑफ केकवॉक बनाता है। साइंस पार्क इंटरैक्टिव ओपन एयर-प्ले सिस्टम है जो मूलभूत विज्ञान तथ्यों एवं घटनाओं में ज्ञान लाने के लिए डिजाइन किया गया है मॉडल का चयन इस तरीके से किया जाता है कि जिससे छात्रों को विज्ञान के मूल सिद्धातों के बारे में संदेह खेल के तरीके से स्पष्ट करने में सहायता मिल सके। विज्ञान के विभिन्न सिद्धांतों के व्यवहारिक अनुप्रयोग के लिए वैज्ञानिक दृष्टिकोण तथा व्यापकता विकसित करने के लिए मैं, वर्ष 2021-22 में 5 न.दि.न. परिषद्/नवयुग स्कूलों में पायलट प्रोजेक्ट के रूप में नए साइंस पार्क की स्थापना करने का प्रस्ताव रखता हूँ, जिसमें छात्रों की विभिन्न उपकरणों जैसे डबल एडेड कोन, पैंडुलम, तरंग, डीएनए संरचना, पिरोयोडिकल टेबल, पैराबोलिक डिशेस इत्यादि तक पहुँच होगी।

12.9.6 पेपर रिसाइक्लिंग पलांट

संसाधनों के संरक्षण तथा पर्यावरण सहज वातावरण बनाने के लिए, मैं आँचल स्पेशल स्कूल के लिए वर्ष 2021-22 में पेपर रिसाइक्लिंग प्लांट स्थापित करने का प्रस्ताव करता हूँ। परियोजना के अंतर्गत, सम्पूर्ण न.दि. न.परिषद् क्षेत्र से उत्पन्न अपशिष्ट पेपर एकत्र किया जाएगा तथा इसे

रिसाइकल करने के लिए प्रस्तावित पेपर रिसाइक्लिंग प्लांट' में प्रयोग किया जाएगा। इस तरह से हम स्कूलों तथा कार्यालयों में उत्पन्न बेकार पेपर को फोल्डर/फाइल कवर इत्यादि में परिवर्तित करके पृथ्वी की परिस्थितिक प्रणाली की रक्षा करा सकते हैं इस प्लांट के लिए कच्चा माल बेकार पेपर, पुरानी पुस्तकें, समाचार-पत्र, नोटबुक चार्ट, कार्डबोर्ड, बॉक्स इत्यादि कच्ची सामग्री हो सकते हैं।

12.9.7 सी.बी.एस.ई. द्वारा मान्यता प्राप्त व्यवसायिक पाठ्यक्रमों का परिचयः-

हमारी गुणवत्ता की पहल न केवल शैक्षणिक उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए शैक्षण्कि वातावरण तथा आधारिक संरचना के संवर्धन एवं बदलने के लिए हैं अपितु हमारे स्कूलों के छात्रों के लिए कौशल के अवसर पैदा करने के लिए भी हैं। जैसाकि आप जानते हैं कि मन्दिर मार्ग में स्थापित विश्वस्तरीय कौशल विकास केन्द्र बहुत मांग में हैं, आजकल इसके उत्कृष्ट कोर्सों की बहुत अच्छी जॉब गारंटी है। मैं, वर्ष 2021-22 में सीबीएसई द्वारा मान्यता प्राप्त अच्छी जॉब की संभावना वाले व्यवसायिक पाठ्यक्रमों/विषयों को प्रथमतः दो सीनियर सैकेण्डरी न.दि.न. परिषद्/नवयुग स्कूलों में प्रारंभ करना प्रस्तावित करता हूँ।

12.9.8 सभी न.दि.न.परिषद/नवयुग स्कूलों में भाषा लैबः भाषा लैबः

बच्चे के सर्वांगीण विकास में भाषा का अत्यधिक महत्व है तथा यह स्कूली पाठ्यक्रम का एक महत्वपूर्ण घटक है। यदि बच्चे की भाषा में सुधार किया जाता हैं, तो उसके सीखने के परिणाम में निश्चित रूप से सुधार होगा। वर्ष 2020 में, दो भाषा लैब नवयुग सकूल, सरोजिनी नगर तथा अटल आदर्श बंगाली बालिका विद्यालय, गोल मार्किट में स्थापित की गई। नई शिक्षा नीति सभी स्तरों पर बच्चों के संचार कौशल के विकास पर जोर देती है। इसलिए, मैं वर्ष 2021-22 में सभी न.दि.न. परिषद्/नवयुग स्कूलों तथा सीनियर सैकेण्डरी स्कूलों में भाषा लैब स्थापित करने का प्रस्ताव करता हूँ।

12.9.9 प्री-प्राइमरी तथा प्राइमरी स्कूलों के विद्यार्थियों को निःशुल्क स्टेशनरीः-

मैंने नवयुग सकूलों के बैग-रहित प्री-प्राइमरी तथा प्राइमरी कक्षाओं को आरंभ करने का प्रस्ताव दिया है, मैं वर्ष 2021 के दौरान प्राथमिक

कक्षाओं के छात्रों को नि:शुल्क स्टेशनरी प्रदान करने का प्रस्ताव करता हूँ।

12.9.10 इंटरनेट डाटा पैक सब्सिडी:-

जैसाकि पहले उल्लेख किया गया है, ऑनलाइन डिजिटल शिक्षा के सुचारू संचालन के लिए, छात्राओं के बेहतर प्रदर्शन के लिए कक्षा 10वीं तथा बारहवीं के छात्रों को प्रति माह ₹ 200 की दर से इंटरनेट डाटा पैक सब्सिडी प्रदान की गई थी। स्कूल अभी भी बंद हैं और निश्चित नहीं है कि कब स्कूल फिर से खुलेंगे। इसलिए, मैं वित्त वर्ष 2021-22 में कक्षा 10वीं तथा 12वीं के सभी छात्रों को प्रतिमाह ₹ 200 के डाटा पैक सब्सिडी जारी रखने का प्रस्ताव करता हूँ।

आने वाले वर्ष में, न.दि.न.परिषद् शिक्षा क्षेत्र में ₹ 224.55 करोड़ की राशि का क्रय करने का प्रस्ताव रखती है जिसमें से ₹ 14.85 करोड़ पूंजीगत कार्य के लिए है।

13. प्राकृतिक संसाधन संरक्षण/उद्यान

13.1 उद्यान

नई दिल्ली क्षेत्र अपनी हरियाली के लिए पहचाना जाता है, जो न केवल सुखदायक प्रभाव का आइलैंड बनता हैं, बल्कि कुछ हद तक हीटिंग प्रभाव और वायु व धूल प्रदूषण का भी ध्यान रखता है। न.दि.न.परिषद् का उद्देश्य सभी कच्चे क्षेत्रों को हरित क्षेत्र में परिवर्तित करना हैं, जिसके लिए पिछले चार वर्षों के दौरान बड़े पैमाने का गहन वृक्षारोपण अभियान चलाया गया है। अधिकांश न. दि.न.परिषद् क्षेत्र और कवरेज के संदर्भ में परिपूर्णता के समीप वृक्ष लगाए गए है। तद्नुसार वित्तीय वर्ष 2021-22 में 5000 वृक्षों तथा 5 लाख झाड़ियों का लगाया जाना प्रस्तावित है।

13.2 वृक्षारोपण अभियान:- न.दि.न.परिषद् क्षेत्र में ग्रीन क्वरेज को बढ़ाने के लिए, हितधारकों के साथ पिछले चार वर्षों के दौरान बड़े पैमाने का वृक्षारोपण अभियान चलाया गया है जिसमें, वर्ष 2016-17 में लगभग 7.5 लाख छोटे पौधे, वर्ष 2017-18 में लगभग 10 लाख छोटे पौधे, 38,500 वृक्ष छोटे पौधों सहित लगभग 20 लाख छोटे पौधे वर्ष 2018-19 में, लगभग 11000 वृक्षों सहित वर्ष 2019-20 में लगभग 3.5 लाख छोटे पौधे तथा वर्ष 2020-21 में 3316 वृक्ष,

212894 झाड़ियाँ, 319050 ग्राउंड कवर, 3560 अन्य प्रजातियाँ लगाई गई। वर्ष 2021–22 में संभाव्यता के अनुसार समान प्रवृत्ति का पालन किया जाएगा।

13.3 हरित पट्टी का विकासः–

कॉमनवेल्थ गेम्स 2010 से पहले हरित पट्टी का विकास किया गया। इसके पश्चात् विभिन्न गतिविधियों (जैसे उपयोगिता केबल, टेलीफोन केबल आदि बिछाना) के कारण कई तरह की क्षति हुई तथा पौधों की पुर्नजीवन क्षमता भी लुपत हो गई। इसलिए, यहाँ कई अंतराल, अपूर्ण बाड़े, कम घने कवर इत्यादि निर्धारित समय अवधि के दौरान सामने आए हैं, जिससे एवेन्यू का सौंदर्यता मूल्य की क्षति हुई है। अतः एवेन्यू का पुनर्विकास चरणबद्ध तरीके से किए जाने की आवश्यकता है। इसलिए वित्तीय वर्ष 2021–22 में 10 हरित पट्टियों के पैटर्न को बदलने का प्रस्ताव है।

13.4 आवासीय कालोनी पार्कों (न.दि.न.परिषद् तथा के.लो.नि.वि) का सौंदर्यीकरणः–

प्रत्येक वर्ष आरडब्ल्यूए आवासीय कालोनी पार्कों (न.दि.न.परिषद् तथा के.लो.नि. वि) के सौंदर्यकरण की मांग कर रहे हैं। के.लो.नि.वि. कालोनी पार्कों को वर्ष 2007 के दौरान अपने अधीन लिया है तथा इसके पश्चात् कोई सौंदर्यकरण/सुधार तथा विकास कार्य नहीं हुआ है। विभाग केवल विद्यमान सुविधाओं का रखरखाव कर रहा है।

कुछ पार्कों में निरन्तर स्टैम्पिग, सार्वजनिक दबाव तथा खेलने के कारण बहुत सारे ब्राउन पैच, झाड़ियों तथा हेज क्षतिग्रस्त हो गए हैं। इसलिए इन पार्कों को यू–दृश्यावली की आवश्यकता के साथ पुनः विकास करने की आवश्यकता है। न.दि.न.परिषद् ने इस विकास के अन्तर्गत लक्ष्मीबाई नगर में 27 और डीआईजेड क्षेत्र, गोल मार्किट में 30 पार्क बनाने का निर्णय लिया है।

13.5 आधुनिक मशीनरी और वाहनों की खरीद

न.दि.न.परिषद् के प्रभावी हरित क्षेत्र के रखरखाव के लिए नवीनतम् मशीनरी जैसे ब्रश, कटर, हेज ट्रिमर, ब्लोअर, डिगिंग मशीन, राइड ऑन लॉन माओअर, श्रेडर, क्रंशिश मशीन के साथ साथ बैटरी से चलने वाली मशीनरी का उपयोग स्मार्ट हरित क्षेत्र बनाने के लिए मशीनीकरण बहुत महत्वपूर्ण है इसलिए नई मशीनरी की खरीद की जाएगी तथा प्रत्येक बुनियादी इकाई यानि पर्यवेक्षक स्तर में सभी मशीनों और उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए पुरानी मशीनरी

को भी नए के साथ बदल दिया जाएगा। बागवानी गतिविधियों को सुचारू रूप से चलाने में मदद करने के लिए जैसे कि सामग्री का परिवहन, सिचाई, पेड़ की धुलाई, ट्रैंचिग कार्य, पेड़ों का उपचार इत्यादि के लिए वाहनों की आवश्यकता होती है, क्योंकि अधिकांश वाहन पुराने होते हैं। इसलिए विभागीय स्तर हेतु ट्रक, टैंकरो, ट्री एम्बुलेसों, टाटा एस, एसपीपीएम प्रूंनिग मशीनों की खरीद का प्रस्ताव है।

13.6 विश्व-स्तरीय उद्यान के रूप में न.दि.न.परिषद् गार्डनों का विकासः

न.दि.न.परिषद् को अपने बगीचों पर गर्व है, तथा यह इरादा रखता है कि उनके क्षेत्र को और बेहतर तरीके से विकसित किया जाए। लोधी गार्डन, नेहरू पार्क, संजय पार्क और तालकटोरा गार्डन जैसे चार प्रमुख उद्यानों के लिए न.दि.न. परिषद् स्मार्ट सिटी परियोजना के अन्तर्गत परामर्शदाता की नियुक्ति के द्वारा सभी डिजाइनों को अंतिम रूप दिया जाना प्रस्तावित है।

13.7 पेड़ की धुलाई

धूल तथा वायु प्रदूषण कम करने के लिए पेड़ की धुलाई को बड़े पैमाने पर व्यवस्थित तरीके से नियमित किया जाएगा ताकि विशेष रूप से खरीदे गए 20 टैंकरो की सहायता से न.दि.न.परिषद् एवेन्यू और परिसरों एवं सड़कों के वातावरण को धूल से मुक्त रखा जा सके।

13.8 दिल्ली जल बोर्ड की एसटीपी लाइन को जोड़नाः

हरित न.दि.न.परिषद् क्षेत्र में रखरखाव के लिए पानी की आवश्यकता की बढ़ती मांग को देखते हुए, 20-25 एमजीडी के आसपास गैप मिलाने के लिए दिल्ली जल बोर्ड की एसटीपी लाईन को जोड़कर नेटवर्क में विस्तार किया जाना प्रस्तावित है जो कि 35-40 एमजीडी प्रतिदिन की कुल आवश्यकता में कम है। सीपीडब्ल्यूडी द्वारा आपूर्ति किए जाने वाला अपेय जल अनियमित, अस्थिर, कम मात्रा में रहता है जो कि लगभग 12-15 एमजीडी है।

यह प्राकृतिक संसाधन और स्थिरता को बनाये रखने के लिए अपशिष्ट और उपचारित जल के प्रभावी उपयोग का कदम है। यह पाइपलाइन नेटवर्क न.दि.न. परिषद् तथा डीजेबी के कनिष्ठ सहयोग के साथ लिया जाएगा। सिविल जल आपूर्ति द्वारा तैयार वास्तविक अनुमान पर सशोंधित अनुमान में आवश्यक बजट को अंतिम रूप दिया जायेगा।

13.9 स्मार्ट सिंचाई

न.दि.न.परिषद् एक संसाधन के रूप में पानी के मूल्य को अनुभव करता है, और उसी कुशलता से उपयोग करने में विश्वास करता है। अब न.दि.न.परिषद् पानी को बचाने के लिए स्मार्ट सिचाई तकनीक की मदद से उन्हें और समझदारी से उपयोग किए जाने की ओर आशयित है। उसी के लिए वित्त वर्ष 2021-22 में प्रमुखता से लिया जाएगा।

आने वाले वर्ष में, न.दि.न.परिषद् उद्यानिक कार्यो के लिए ₹ 126.84 करोड़ की राशि खर्च करने का प्रस्ताव करता है, जिसमें से ₹ 13.35 करोड़ पूंजीगत कार्यो के लिए है।

14. विवेकी न.दि.न.परिषद्: वित्तीय स्थिरता

14.1 न.दि.न.परिषद् की क्रेडिट रेटिंग

न.दि.न.परिषद् वर्ष 2017-18 में ''एए+'' की क्रेडिट रेटिंग प्राप्त करने में भारत की बहुत कम नगरपालिकाओं में से एक थी, तथा आज तक उसी रेटिंग को बनाए हुए है। न.दि.न.परिषद् आगामी वर्षो में अपनी क्रेडिट रेटिंग को बढ़ाता रहेगा।

14.2 नागरिक केन्द्रित बजट और अनटाइड फंड

न.दि.न.परिषद् का बजट अपने क्षेत्र के सभी नागरिकों की नागरिक सुविधाओं में सुधार को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है। नागरिकों से सुझाव, परिषद् की वेबसाइट पर लिंक देने के अलावा, सभी आवासीय कल्याण संघ और मार्किट एसोसिएशन को पत्र भेजने के माध्यम से आमंत्रित किए जाते है। इस वर्ष एमटीए कनाटप्लेस, सरोजिनी नगर तथा आरडब्ल्यूए गोल मार्किट से, अपने क्षेत्र में सुधार कार्य से संबंधित सुझाव प्राप्त किए गए थे जिन्हें उनके क्षेत्र में वित्त वर्ष 2021-22 में किया जाएगा। मैं रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन (आरडब्ल्यूए) तथा मार्किट ट्रेड एसोसिएशन (एमटीए) के लिए अनटाइड फंड उपलब्ध कराने का प्रस्ताव करता हूँ। मैं आरडब्ल्यूए/एमटीए द्वारा स्थानीय कार्रवाई हेतु स्थानीय पहल तथा लचीलेपन के लिए विस्तार प्रदान करने के उद्देश्य के साथ वर्ष 2021-22 में ₹ 10.00 करोड़ की राशि निर्धारित करने का प्रस्ताव रखता हूँ।

14.3 पालिका वित्तीय प्रबन्धन प्रणाली

वित्त न.दि.न.परिषद् में सभी गतिविधियों और प्रणालियों को केन्द्रीय हब रहा है। न.दि.न.परिषद् ने अतीत में कई प्रणालियों को स्वचालित किया था जिनके एक मजबूत और विवेकपूर्ण वित्तीय प्रणाली बनाने के लिए नवीनतम प्रौधोगिकीय प्लेटफार्मो के उन्नयन तथा बदलने की आवश्यकता है। न.दि.न.परिषद् की विद्यमान पे रोल प्रणाली 1996 में लागू की गई थी और एक सहज उपयोगकर्ता अनुभव के लिए सभी सेवाओं जैसे जीपीएफ, पेंशन, ग्रेच्युटी, एनपीएस इत्यादि को एक जगह रखने की आवश्यकता है। एक निर्बाध प्रक्रिया प्रवाह के लिए न केवल वित्त विभाग, बल्कि अन्य विभाग और सार्वजनिक रूप से भी, यूनिफाइड फाइनेंशियल सिस्टम के लिए एक अवधारणा योजना, भारत सरकार के पीएफएमएस के अनुसार विशेष परामर्शदाता की सहायता से विकसित किया जाएगा।

14.4 पेंशन फंड

पेंशन फंड विनियम तैयार किये गए है तथा उनको को भारत सरकार के अनुमोदन हेतु भेजा गया था। विधि तथा न्याय मंत्रालय ने इसका निरीक्षण किया एवं वित्तीय वर्ष 2020-21 में अधिसूचित होने की उम्मीद है। 2019-20 के अनुसार, न.दि.न.परिषद् के पास इस प्रयोजन हेतु ₹ 893.03 करोड़ का कोष है तथा मार्च 2021 तक इस कोष में ₹ 200 करोड़ जुड़ जाएंगे। वर्ष 2021-22 के दौरान प्रस्तावित पेंशन फंड के कोष में स्थानान्तरित करने के लिए ₹ 450 करोड़ का प्रावधान किया गया है।

15. केयरिंग एनडीएमसीः कर्मचारी कल्याण

15.1 न.दि.न.परिषद् एक मॉडल नियोक्ता होने पर गर्व करती है और उसने हमेशा कर्मचारी कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। कोरोना के समय में भी, न.दि. न.परिषद् आगे आई तथा पहले से ही सूचीबद्ध उनके कल्याण के लिए कई पहल शुरू कीं।

15.2 निवारक स्वास्थ्य जाँच

न.दि.न.परिषद् ने सफाई सेवकों के अलावा 40 वर्षो से अधिक आयु के अपने सभी कर्मचारियों जो सभी इसके अन्तर्गत आते है के लिए वार्षिक स्वास्थ्य जाँच कार्यक्रम को बढ़ा दिया था, यह कार्यक्रम वित्तीय वर्ष 2021-22 में भी जारी रहेगा।

15.3 पेंशन हेल्थ डेस्क और पालिका पेंशनर्स दिवस

न.दि.न.परिषद् अपने कर्मचारियों के लिए न केवल सतर्क है बल्कि पेंशनरों के रूप में भी उनकी देखभाल जारी रखता है। उनकी समस्याओं को दूर करने के लिए, न.दि.न.परिषद् पेंशनरर्स की सुविधा के लिए पेंशन अनुदान के लिए आवश्यक दस्तावेजों तथा सभी फार्मो को भरने में सहायता करने के लिए एक वर्ष के भीतर सेवानिवृत होने वाले पेंशनर्स की सुविधा के लिए प्रत्येक माह के पहले सोमवार को पेंशन हेल्प डेस्क संचालित करेगी।

हेल्थ डेस्क पेंशनर्स से शिकायतों को भी लेगा और चल रही पेंशन अदालत की तरह उनका समाधान करेगा। हेल्थ डेस्क संयुक्त रूप से पेंशन विभाग, कल्याण विभाग, संस्थापना तथा एसबीआई की सहायता से संचालित किया जाएगा। हेल्पडेस्क वित्तीय सलाहकार के समग्र मार्गदर्शन में काम करेगा और क्लयाण विभाग द्वारा समन्वित होगा।

मैं यह भी प्रस्ताव करता हूँ कि अब से प्रत्येक महीने के पहले सोमवार को पालिका पेंशनर्स दिवस के रूप में मान्यता दी जाए।

15.4 पालिका सम्मान

कोविड-19 के कम होने के तुरंत बाद, न.दि.न.परिषद् को अपने मानव संसाधनों की क्षमता और प्रतिबद्धता का एहसास हो गया है। यह भी सर्वविदित है कि एक अच्छा मान्य प्रयास न केवल संबंधित कर्मचारी के मनोबल को बढ़ाता है, बल्कि अन्य लोगों को भी प्रेरित करता है। नवीनता तथा प्रतिबद्धता की भावना को लगातार बनाए रखने के लिए, मैं उन कर्मचारियों की पहचार करने और उन्हें सम्मानित करने के लिए पालिका सम्मान योजना शुरू करने का प्रस्ताव करता हूँ जिन्होंने न केवल अपने कर्तव्यों का निरंतर, कुशलतापूर्वक और नए तरीके से प्रदर्शन किया है बल्कि अपने कर्तव्यों में सबसे ऊपर उभर कर आए हैं तथा न. दि.न.परिषद् नागरिकों के साथ सहयोग किया और न.दि.न.परिषद् को गौरवान्वित कर रहे हैं। इस योजना में सभी ग्रुप बी एवं सी कर्मचारी शामिल होंगे तथा पारदर्शी प्रणाली संचालित प्रक्रिया के माध्यम से पहचान की जाएगी। मैं इस योजना के अन्तर्गत आरडब्ल्यूए और एमटीए का बाद में शामिल करने का प्रस्ताव करता हूँ।

16. समावेशी न.दि.न.परिषद्: कमजोर वर्गो का संरक्षण

16.1 क्लस्टरों का सुधार:

16.1.1 डीआईडी कैम्प तथा बीआर कैम्प, मस्जिद कैम्प, फ्लाइंग क्लब सफदरजंग एयरपोर्ट तथा सफदरजंग फ्लाइओवर के नीचे जे.जे. क्लस्टर के लिए मरम्मत, रखरखाव तथा पेंटिंग कार्य पूरा हो चुका है। अर्जुनदास कैम्प, शंकर कैम्प, अनन्तराम डेयरी तथा मद्रासी कैम्प में पेंटिंग का कार्य हो चुका है।

16.1.2 मुस्तफा कमाल अत्तातुर्क मार्ग पर बीआर कैम्प जे.जे. क्लस्टर के लिए बिछाई गई टूटी/बसी हुई जल निकासी प्रणाली की मरम्मत का कार्य ₹ 24,48,827/- की राशि, 90 प्रतिशित तक पूर्ण हो गया है।

16.1.3 जे.जे. क्लस्टर बीआर कैम्प में जल निकासी का सुधार तथा अन्तर्योजिक पटरी को बिछाने/ लगाने के लिए कार्य को ₹ 20,90,384/- की राशि पर सौंपा गया है तथा 60 प्रतिशत पूरा हो चुका है।

16.1.4 विद्युत सब-स्टेशन तथा विवेकानंद कैंप की ओर संजय कैम्प में वॉल पेंटिंग का कार्य जनवरी 2021 तक पूरा हो जाएगा। बीआर कैम्प, डीआईडी कैम्प तथा सफदरजंग फ्लाईओवर के लिए वॉल पेंटिंग का कार्य आर-।। प्रभाग को तथा सरोजिनी नगर मार्किट एवं अनंतराम डेयरी के लिए वॉल पेपर का कार्य आर-।।। प्रभाग को सौंपा गया। वॉल पेंटिंग का कार्य जनवरी - 2021 तक पूरा हो जाएगा।

16.2 व्यापक क्लस्टर सुधार कार्यक्रम

विभिन्न क्लस्टरों की स्थिति ध्यान में रखते हुए और नगरपालिका सेवाओं के समान लाभार्थियों के रूप में उनके अधिकारों को मान्यता देते हुए, मैं पीसमील परियोजनाओं के स्थान पर उनके विकास के लिए एक नया व्यापक कार्यक्रम शुरू करने का प्रस्ताव करता हूँ। इसमें सीवरेज सफाई और बिजली के प्रावधान तथा फेसेड इम्प्रूवमेंट भी शामिल होगें। परियोजनाओं को प्रत्येक क्लस्टर के लिए तैयार किया जाएगा तथा वित्त वर्ष 2021-22 में प्रारम्भ किया जाएगा।

17. रीसिलेंट एनडीएमसीः आपदा प्रबंन्धन

भौतिक बुनियादी ढांचे और सामाजिक-आर्थिक प्रक्रियाओं के संदर्भ में आधुनिक शहर लगातार कम्पलैक्स बनते जा रहे हैं। लचीलापन प्राप्त करने के लिए अर्थात् सभी प्रकृति के झटके झेलने की क्षमता, आपदा प्रबंधन के साथ प्रयास शुरू करना होगा। जबकि केंद्र और राज्य सरकारें इस उद्देश्य के लिए विस्तृत दिशानिर्देशों के साथ सामने आई हैं,

मैं प्रस्ताव करता हूँ कि न.दि.न.परिषद् अपनी आपदा तैयारियों की समीक्षा कर सकती है और व्यापक कार्यान्वयन योजना के साथ आ सकती है और जब भी आवश्यक हो अनिवार्य बुनियादी ढाँचे सहित आवश्यक मीटिगेशन क्रियाविधि का सृजन कर सकती है। कोविड-19 के कारण, मैं अगले वित्तीय वर्ष में इसी को लेने का प्रस्ताव करता हूँ और तद्नुसार वित्त वर्ष 2021-22 में ₹ 10 करोड़ आवंटित करता हूँ। पुनः न.दि.न.परिषद्, अपने एक्शन प्लान के साथ संबंधित सदस्यों सहित परिषद् सचिव की अध्यक्षता में एक आपदा प्रबंधन समूह बनाएगा, जो इसके कार्यान्वयन की निगरानी करेगा।

18. सांस्कृतिक विरासत

दिल्ली की अपनी अनोखी सांस्कृतिक विरासत है और सदियों से भोजन इसमें एक अंर्तनिहित सामग्री है। दिल्ली का स्ट्रीट फूड को अन्तरराष्ट्रीय रूप से प्रशंसित किया जाता है। मैं अपने नागरिक और चलायमान जनसंख्या विशेष रूप से पर्यटकों को लाभ पहुंचाने के लिए न.दि.न.परिषद् क्षेत्र में इसका स्वाद उपलब्ध कराने का प्रस्ताव रखता हूँ। तद्नुसार, मैं न.दि.न.परिषद् क्षेत्र में ऐसे हॉट-स्पॉट स्थापित करने का प्रस्ताव करता हूँ जहाँ इस उद्देश्य के लिए अनुकूलित क्योस्को के माध्यम से स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण में स्ट्रीट फूड उपलब्ध कराये जाएंगे। कोरोना महामारी के कारण यह परियोजना महामारी प्रतिबंध की शर्त पर वित्त वर्ष 2021-22 में प्रारम्भ की जाएगी।

19. प्राप्तियाँ

19.1 विद्युत वितरण से प्राप्तियाँ

विद्युत वितरण स्ट्रैटेजिक बिजनेस यूनिट (ईडीएसबीयू) से कुल राजस्व प्राप्तियाँ वर्ष 2019-20 में वास्तविक ₹1365.10 करोड़ के स्थान पर संशोधित अनुमान ₹1171.17 करोड़ अनुमानित की गई है। बजट अनुमान 2021-22 के लिए अनुमान ₹1398.87 करोड़ है।

19.2 संपत्ति कर से प्राप्तियाँ

हम वर्ष 2020-21 में ₹650 करोड़ का संपत्ति कर एकत्र करने की आशा करते हैं। वर्ष 2021-22 में, हमारी ₹710 करोड़ एकत्र करने की योजना हे। मैं वर्ष 2021-22 के लिए संपत्ति कर दरों में वृद्धि का प्रस्ताव नहीं करता हूँ।

19.3 पालिका संपत्तियों से लाइसेंस शुल्क की प्राप्तियाँ

पालिका संपत्तियों से लाइसेंस शुल्क हेतु वर्ष 2019-20 में वास्तविक प्राप्तियाँ ₹467.75 करोड़ रहीं। वर्ष 2020-21 का संशोधित अनुमान ₹554.96 करोड़ तथा बजट अनुमान ₹639.13 करोड़ है।

मैं माननीय मुख्यमंत्री, संसद के माननीय सदस्य, माननीय विधायक तथा परिषद् के अन्य सदस्यों को उनके निरंतर समर्थन और मार्गदर्शन के लिए धन्यवाद करना चाहूँगा।

मैं दिल्ली के माननीय उप-राज्यपाल, गृहमंत्रालय तथा आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय, भारत सरकार से प्राप्त मार्गदर्शन एवं समर्थन के लिए अपना आभार व्यक्त करना चाहूँगा।

मैं न.दि.न.परिषद् के अपने सभी सहयोगियों और कर्मचारियों को नई दिल्ली क्षेत्र को स्वच्छ, हरा-भरा और जीने के लिए आशावान शहर बनाने के लिए अपनी निरंतर सेवाओं के लिए धन्यवाद करूँगा।

मैं न केवल आभार व्यक्त करूँगा अपितु न.दि.न.परिषद् के उन सभी कर्मचारियों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करूंगा जिन्होंने कई बार अपने व्यक्तिगत जोखिम पर कोरोना महामारी की चुनौती का सामना किया तथा नगरपालिका सेवाओं को निर्बाध रूप से जारी रखा तथा कोरोना वारियर्स कहलाने के योग्य है। हम उन सभी को सलाम करते हैं जिन्होंने कोरोना वारियर्स के रूप में अपनी जान गँवाई और प्रतिबद्धता के उसी स्तर को बनाये रखने का आश्वासन दिया जिसे उन्होंने प्रमाणित किया है।

आपका बहुत-बहुत धन्यवाद

जय हिन्द